आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 रश्मिका ने पांच महीने तक...

वर्ष : 27 | अंक : 19 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 09 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है : प्रधानमंत्री

18वें प्रवासी सम्मेलन का उद्घाटन

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी व विदेश मंत्री एस. जयंशकर भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे। ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह जीवंत त्योहारों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, लोहड़ी जैसे त्योहार आने वाले हैं। हर जगह आनंदमय वातावरण है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी इस

विरासत का ये वही बल है जिसकी प्रेरणा से आज भारत दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने हमेशा भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत माना है। मुझे बहुत खुशी होती है, जब पूरी दुनिया में आप सभी साथियों से मिलता हूं, आपसे बातचीत करता हूं।

जो प्यार मुझे मिलता है, वो भूल नहीं सकता हूं। आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहता है। हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं, हमारा जीवन ही विविधता प्रदान करता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के नियम और परंपरा का सम्मान करते हैं। हम पूरी ईमानदारी से उस देश की, उस समाज की सेवा करते हैं। इस सबके साथ ही हमारे दिल में भारत भी धड़कता रहता है।

उन्होंने कहा कि भारत की सफलता आज दुनिया देख रही है। आज जब भारत का चंद्रयान शिव शक्ति प्वाइंट पर पहुंचता है, तो हम सब को गर्व होता है। आज जब दुनिया, डिजिटल इंडिया की ताकत देखकर हैरान होती है, तो हम सब को गर्व होता है। आज भारत का हर सेक्टर आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। आज का भारत, अपना पॉइंट तो मजबूती से कायम है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है।

संभल में 1978 में हुए दंगों की फिर होगी जांच

योगी सरकार ने सात दिनों में मांगी रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने संभल में वर्ष 1878 में हुए दंगों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश के संभल में 1978 में हुए दंगे की फाइल फिर से खुलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने सात दिनों में रिपोर्ट मांगी है। संभल प्रशासन और पुलिस मामले की जांच करेंगे। बता दें कि दिसंबर 2024 में विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल दंगे पर वक्तव्य दिया। इसके बाद से इस दिशा में काम तेज हो गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिसंबर को विधानसभा में कहा था कि 1947 से लेकर अभी तक संभल में 209 हिंदुओं की जान दंगों के चलते गई है। संभल में 29 मार्च 1978 को दंगे के दौरान आगजनी की घटनाएं हुई थीं। इस घटना में कई हिंदू मारे गए

थे। भय के चलते 40 रस्तोगी परिवारों को घर छोड़कर भागना पड़ा। पलायन के गवाह अभी मौजूद हैं। मंदिर में कोई पूजा करने वाला बचा नहीं था। घटना के 46 साल बाद अभी तक किसी को सजा तक नहीं मिली। प्रशासन और स्थानीय लोगों की सक्रियता से 46 साल से बंद मंदिर के पट खुले। इसके बाद से अधिकारी संभल दंगों से जुड़ी फाइलों को खंगालने लगे थे।

जल उठा था संभल

संभल में वर्ष 1978 का दंगा 29 मार्च को हुआ था। इस दंगे में शहर जल उठा था। हालात को संभालने के लिए प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया था। फिर भी शहर में दोनों समुदायों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। ऐसी स्थिति में कर्फ्यू का अंतराल बढ़ता गया। संभल में दो महीने तक तक कर्फ्यू लगा रहा।

अखिलेश के चाचा राजपाल सिंह यादव का निधन

इटावा (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई है। समाजवादी पार्टी के संरक्षक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई राजपाल सिंह यादव का आज सुबह निधन हो गया। लंबे समय से बीमार चल रहे राजपाल यादव ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में तड़के 4 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में गहरा शोक व्याप्त है। राजपाल यादव का राजनीतिक और सामाजिक योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव सैफई में किया जाएगा। बताया गया है कि गुरुग्राम से उनका पार्थिव शरीर स्वजन लेकर सैफई के लिए रवाना हो चुका है। दोपहर 1 बजे तक शव के सैफई पहुंचने की संभावना है। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवास पर बने गेस्ट हाउस में रखा जाएगा। शाम 5 बजे सैफई में साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

'ऑपरेशन क्लीन' : 24 घंटे में तीन मुठभेड़, 6 बदमाश सलाखों के पीछे

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने अलग-अलग स्थान पर हुई तीन मुठभेड़ के बाद 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में गोली लगने से 4 बदमाश घायल हो गए। पकड़े गए बदमाश शातिर चोर और स्नैचर है।

थाना फेस-2 पुलिस द्वारा सेक्टर-83 मेट्रो स्टेशन याकूबपुर कट पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान (शेष पृष्ठ-4 पर)

गिझोड़ गांव के मंदिर में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के गिझोड़ गांव में चोरों ने मंदिर को निशाना बनाया है। चोर मंदिर से कीमती सामान चुराकर फरार हो गए। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गिझोड़ गांव केमंदिर में चोरी का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें अज्ञात चोर मंदिर में घुसते दिख रहे हैं। चोरों ने मंदिर से कीमती सामान चोरी कर लिया। सुबह मंदिर में चोरी का पता ग्रामीणों को लगा जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है।

दबंगों ने जेसीबी से गिरा दी गौशाला की दीवार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के ग्राम शहदरा में दबंगों ने गौशाला की निर्माणाधीन दीवार को जेसीबी से गिरा दिया। गौशाला संचालक ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। द्वारका नई दिल्ली में रहने वाले शैलेश कुमार जायसवाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी ग्राम शाहदरा में 500 वर्ग गज जमीन है। इस जमीन पर वह गौशाला का निर्माण करा रहे थे। 25 जून को जितेंद्र भाटी व उनके साथियों ने जेसीबी से गौशाला की दीवार तोड़ दी थी। उन्होंने इसकी शिकायत थाने में की थी। उस समय पुलिस ने दोनों तरफ से शांति बनाए रखने के लिए बॉन्ड भरवाये थे। शैलेश कुमार जायसवाल के मुताबिक 6 जनवरी को जितेंद्र भाटी अपने कुछ साथियों के साथ जेसीबी लेकर उनके प्लॉट पर आया और निर्माणाधीन दीवार को तोड़ दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

पर्चे तो खरीद लिए, प्रस्तावक के लाले!

नोएडा (चेतना मंच)। आज भारतीय जनता पार्टी में नोएडा महानगर अध्यक्ष पद के लिए नामांकन हो रहे हैं। पार्टी के सूत्र बताते हैं कि कल करीब तीन दर्जन दावेदारों ने नामांकन फार्म तो खरीद लिया लेकिन अधिकांश दावेदारों को प्रस्तावक के लाले पड़ रहे हैं।

आज सेक्टर-116 स्थित भाजपा नोएडा महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष पद के लिए दोपहर से नामांकन हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि 33 आवेदकों ने कल फार्म तो खरीद लिए लेकिन अधिकांश दावेदारों को प्रस्तावक के लाले पड़ रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि आधा दर्जन दावेदार ही प्रस्तावक जुगाड़ कर पाये हैं। बाकी खबर लिखे जाने तक जुगाड़ में लगे पाये गये।

बता दें कि कल चंदगीराम यादव, डिम्पल आनंद, उमेश त्यागी, संजय बाली, गणेश जाटव, धर्मेन्द्र गुप्ता, विनोद शर्मा, महेश अवाना, महेश चौहान, ओमवीर अवाना, अमित त्यागी, लोकेश कश्यप तथा प्रशांत त्यागी आदि ने पर्चे लिये थे।

घर से नगदी व जेवरात चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के राशिद कॉलोनी में चोरों ने एक घर से 40 हजार रुपए व सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़िता ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। राशिद कॉलोनी में रहने वाली जैबुन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 6 जनवरी को अपनी मां के घर गई थी। अगले दिन जब वह वापस घर लौटी तो उसे ताला टूटा हुआ मिला। चोर घर में रखे 40 हजार रुपए सोने की अंगूठी, सोने के कुंड,ल पाजेब आदि को चोरी कर ले गए थे। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

रोड पर खड़ी गाड़ियों को बनाते थे निशाना

गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा, कारतूस, चाकू, चोरी की घटना में प्रयुक्त होने वाली कार व नगदी बरामद हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि वाहन चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो चोर क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस टीम ने मुखबिर के इशारे पर सेक्टर-56 की ओर से आ रही एक हुंडई एक्सेंट कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख कर कार चालक ने कार को पीछे मोड़कर भगाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम ने

घेराबंदी कर कार को रुकवा लिया। कार में बैठे दो युवकों को पुलिस टीम ने हिरासत में ले लिया। तलाशी में उनके पास से तमंचा, कारतूस, चाकू, मोबाइल फोन,20 हजार रुपए व मास्टर की बरामद हुई। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम सोनू कुमार व अमित सिंह बताया। दोनों बदमाशों ने बताया कि वह रैकी करने के बाद वाहन चोरी करने की घटना को अंजाम देते हैं। करीब एक सप्ताह पूर्व भी उन्होंने (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्राधिकरण की भूमि पर अवैध कब्जा

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम सोरखा जहीदाबाद में नोएडा प्राधिकरण की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के आरोप में दो नामजद सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर-113 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। नोएडा प्राधिकरण के लेखपाल द्वारा यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। नोएडा प्राधिकरण के लेखपाल विनय कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सेक्टर-116 में बिजली घर के समीप कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया जा रहा है। सोरखा जहीदाबाद की भूमि पर गांव के भगत सिंह भूपेंद्र व अन्य व्यक्तियों द्वारा देर सबेर मिट्टी का भराव कर अवैध अतिक्रमण किया जा रहा है। पूर्व में सूचना मिलने पर निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया था। इसके बावजूद भी (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा में दलितों से परहेज करती है भाजपा!

पार्टी गठन से लेकर अब तक न तो अध्यक्ष का पद और न ही टिकट मिला

अरूण सिन्हा

नोएडा। एक ओर सियासी लाभ तथा दलितों को प्रभावित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी दलितों के मसीहा डा.भीमराव अंबेडकर को भुनाने में लगी है। उनकी याद में संविधान गौरव अभियान पखवाड़ा चला रही है। वहीं नोएडा में भाजपा द्वारा दलितों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। इसका सबूत यह है कि भाजपा के गठन से यानी 1980 से लेकर आज तक भाजपा ने न तो दलित समाज का कोई अध्यक्ष बनाया और न ही दलित समाज के किसी कार्यकर्ता को पार्टी का टिकट दिया है। जबकि यहां पर पिछले डेढ दशक से भाजपा प्रत्याशियों को जिताने में दलित वोट बैंक निर्णायक की भूमिका अदा कर रहा है।

बता दें कि भाजपा के गठन के बाद संगठन की दृष्टि से भाजपा को दो मंडलों में बांटा गया था। नोएडा शहरी मंडल तथा नोएडा ग्रामीण मंडल। वर्ष-1980 में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर पहली बार नोएडा शहरी मंडल के अनौपचारिक अध्यक्ष बने थे। वर्ष-1984 में वे औपचारिक रूप से मंडल अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद वर्ष-1998में नोएडा महानगर बना। पहले नोएडा महानगर अध्यक्ष हरिश्चन्द्र भाटी बने। उनके बाद डा0 वीएस चौधरी महानगर अध्यक्ष बने। इसके बाद मामूरा गांव के जुगराज सिंह चौहान महानगर अध्यक्ष बने। इसके बाद योगेन्द्र चौधरी, विजेन्द्र नागर, राकेश शर्मा (शेष पृष्ठ-4 पर)

अब तक रहे अध्यक्ष

- नवाब सिंह नागर (मंडल अध्यक्ष)
- हरिश्चन्द्र भाटी (प्रथम महानगर अध्यक्ष)
- डॉ. वीएस चौहान (महानगर अध्यक्ष)
- जुगराज सिह चौहान (महानगर अध्यक्ष)
- योगेन्द्र चौधरी (महानगर अध्यक्ष)
- बिजेन्द्र नागर (महानगर अध्यक्ष)
- राकेश शर्मा (महानगर अध्यक्ष)
- मनोज गुप्ता (महानगर अध्यक्ष) अब तक

बर्थडे में हुआ झगड़ा दबंगों ने युवक को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा में तीन युवकों के खिलाफ घर में घुसकर गाली गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि तीनों युवकों ने घर में घुसकर उसके बेटे के साथ लोहे की रॉड व डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। ग्राम जमशेदपुरा निवासी अजय पाल सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव में एक व्यक्ति के जन्मदिन की पार्टी थी। इस कार्यक्रम में उनका बेटा कुमार गया था। इस पार्टी में गांव के ही कोशिंदर, रवि बदले आदि ने शराब के नशे में उसके बेटे के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। जन्मदिन कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने दोनों पक्षों के बीच सुलह करा दी। इसके बाद उनका बेटा कुमार घर वापस लौट आया। अजय पाल सिंह का आरोप है कि अगले दिन तीनों आरोपी (शेष पृष्ठ-4 पर)

चिंता की बात

विकास और प्रगति के तमाम दावों के बीच यदि देश के करीब आधे स्कूल कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा से वंचित हों, स्कूल बढ़ रहे हों और दाखिले कम हो रहे हों, साथ ही विद्यार्थियों का बीच में पढ़ाई छोड़ने का आंकड़ा बढ़ रहा हो, तो इसे एक बड़ी चुनौती माना जाना चाहिए। निस्संदेह, आर्थिक विकास हमारी प्राथमिकता होता है, लेकिन यदि बुनियादी शिक्षा तमाम विसंगतियों से जूझ रही हो तो विकास की सार्थकता पर सवाल उठेंगे। सवाल खासकर वंचित समाज के बच्चों का है, जिनका बड़ा संघर्ष जीवन-यापन की प्राथमिकताओं से जुड़ा है। स्वतंत्र भारत में शैक्षिक सुधार के जो प्रयास हुए,उनका लाभ वंचित समाज को काफी अधिक हुआ है। दरअसल, सरकारी स्कूल समाज के कमजोर वर्ग की आशा के केंद्र रहे हैं। यदि आज इन समाजों के बच्चे ही शिक्षा से दूर हो रहे हैं, तो तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आज भी लाखों बच्चे शिक्षा पाने से वंचित हैं। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे खासे चौंकाने वाले हैं। समीक्ष्य वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट बताती है कि इससे पहले साल के मुकाबले स्कूल में दाखिलों में 37.5 लाख की कमी आई है। जहां वर्ष 2022-23 में स्कूलों में 25.17 करोड़ विद्यार्थी दर्ज थे, वहीं 2023-24 में यह संख्या घटकर 24.80 करोड़ हो गई है। यह आंकड़ा प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल स्तर का है। वहीं समीक्ष्य अवधि में बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। जिनमें छात्राएं, वंचित व कमजोर वर्ग के बच्चे अधिक हैं। ऐसे में मंथन की जरूरत है कि शिक्षा को बढ़ावा देने के तमाम प्रयासों, नई शिक्षा नीति लागू होने, अधिक स्कूल खुलने के बावजूद छात्रों के दाखिले में कमी क्यों आ रही है। सरकार की घोषणाओं और जमीनी हकीकत के अंतर को संबोधित करने की जरूरत है। ताकि नये दाखिलों को प्रोत्साहन मिले और छात्र भी बीच में स्कूल न छोड़ें। दरअसल, जरूरत इस बात की भी कि जहां एक ओर स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे, वहीं स्कूलों में दाखिले को लेकर छात्रों का आकर्षण भी बना रहना चाहिए। साथ ही शिक्षा को व्यावहारिक बनाने और समय के साथ कदमताल करने की जरूरत है। वहीं दूसरी शिक्षा मंत्रालय के प्लेटफॉर्म, यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन की रिपोर्ट के यह तथ्य चिंता बढ़ाने वाले हैं कि अभी तक कुल 57 फीसदी स्कूलों में ही कंप्यूटर की सुविधा मौजूद है। वहीं दूसरी ओर 53 फीसदी स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे दौर में जब ऑनलाइन पढ़ाई का खासा जोर है तो ये बच्चे भविष्य में निजी स्कूलों के छात्रों से कैसे मुकाबला कर पाएंगे? प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उनका क्या भविष्य होगा? विडंबना यह है कि वंचित समाज व कमजोर वर्ग के परिवारों में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे भी हैं, जिनके पास न तो कंप्यूटर है और न ही स्मार्ट फोन। दरअसल, उनके परिवारों के जीवन यापन का संघर्ष इतना बड़ा है कि कंप्यूटर व स्मार्ट फोन उनकी प्राथमिकता नहीं बन सकते। चिंता की बात यह है कि निम्न मध्यवर्गीय लोग तो निजी स्कूलों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं, लेकिन कमजोर वर्ग के विद्यार्थी कहां जाएंगे? दरअसल, मौजूदा दौर में सिर्फ साक्षरता से खुश नहीं हुआ जा सकता, जरूरत गुणवत्ता की शिक्षा की भी है। ताकि स्कूल से निकलकर विद्यार्थी देश-दुनिया के साथ कदमताल कर सकें। मंथन इस बात को लेकर भी होना चाहिए कि क्यों लाखों बच्चे स्कूलों की दहलीज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आखिर क्यों छात्र स्कूल में दाखिला लेने के बाद पढ़ाई बीच में छोड़कर जा रहे हैं? शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब सामाजिक विसंगतियां दूर होंगी। यहां सवाल स्कूलों में शिक्षकों व छात्रों के अनुपात का भी है। यह ठीक है कि स्कूलों के भवनों के स्तर में सुधार हुआ है, स्कूलों में बिजली, पानी व जेंडर अनुकूल शौचालय बने हैं। लेकिन हमारी प्राथमिकता केवल स्कूलों में संरचनात्मक विकास ही नहीं होना चाहिए, बल्कि शैक्षिक वातावरण भी बच्चों की पढ़ाई के अनुकूल होना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि दासी, दास, रथ, घोड़े, हाथी, गायें, वस्त्र और मणि आदि अनेक प्रकार की चीजें, अन्न तथा सोने के बर्तन गाड़ियों में लदवाकर दहेज में दिए, जिनका वर्णन नहीं हो सकता॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दाइज दियो बहु भाँति पुनि कर जोरि हिमभूधर कह्यो।
का देउँ पूरनकाम संकर चरन पंकज गहि रह्यो॥
सिवँ कृपासागर ससुर कर संतोषु सब भाँतिहिं कियो।
पुनि गहे पद पाथोज मयनाँ प्रेम परिपूरन हियो॥

बहुत प्रकार का दहेज देकर, फिर हाथ जोड़कर हिमाचल ने कहा- हे शंकर! आप पूर्णकाम हैं, मैं आपको क्या दे सकता हूँ? (इतना कहकर) वे शिवजी के चरणकमल पकड़कर रह गए। तब कृपा के सागर शिवजी ने अपने ससुर का सभी प्रकार से समाधान किया। फिर प्रेम से परिपूर्ण हृदय मैनाजी ने शिवजी के चरण कमल पकड़े (और कहा-)।

दो0-नाथ उमा मम प्रान सम गृहकिंकरी करेहु।
छमेहु सकल अपराध अब होइ प्रसन्न बरु देहु॥

हे नाथ! यह उमा मुझे मेरे प्राणों के समान (प्यारी) है। आप इसे अपने घर की टहलनी बनाइएगा और इसके सब अपराधों को क्षमा करते रहिएगा। अब प्रसन्न होकर मुझे यही वर दीजिए॥

बहु बिधि संभु सासु समुझाई। गवनी भवन चरन सिरु नाई॥
जननीं उमा बोलि तब लीन्ही। लै उछंग सुंदर सिख दीन्ही॥

शिवजी ने बहुत तरह से अपनी सास को समझाया। तब वे शिवजी के चरणों में सिर नवाकर घर गईं। फिर माता ने पार्वती को बुला लिया और गोद में बिठाकर यह सुंदर सीख दी- ॥

(क्रमशः..)

राहुल गांधी तय करेंगे, कौन बनेगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री?

> **दिल्ली की चुनावी लड़ाई बहुत ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को होने जा रहे मतदान में मुख्य मुकाबला अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी के बीच में होने जा रहा है।**

चुनाव आयोग ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बतौर सीईसी अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान करने के साथ ही अपने ऊपर लगाए जा रहे तमाम आरोपों का भी एक-एक करके जवाब देने की कोशिश की।

दिल्ली में इस बार मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 है जिसमें से महिला मतदाताओं की संख्या 71 लाख 73 हजार 952 है। जाहिर तौर पर, देश के कई अन्य राज्यों की तरह दिल्ली में भी महिला मतदाता, चुनावी जीत-हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं।

हालांकि इस बार दिल्ली की चुनावी लड़ाई बहुत ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को होने जा रहे मतदान में मुख्य मुकाबला अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी के बीच में होने जा रहा है। अरविंद केजरीवाल के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव, उनके अस्तित्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और निर्णायक चुनाव होने जा रहा है। दिल्ली के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़े और महत्वपूर्ण राज्य- पंजाब में सरकार होने के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली का केजरीवाल के लिए अपना महत्व है। अगर केजरीवाल दिल्ली का यह विधानसभा चुनाव जीत नहीं पाते हैं तो आम आदमी पार्टी पर उनकी पकड़ कमजोर हो जाएगी और साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन में भी उनका दबदबा कमजोर होता चला जाएगा। घोटाले के आरोप में जेल तक की यात्रा करने वाले अरविंद केजरीवाल यह बखूबी जानते और समझते हैं कि दिल्ली की हार एक बार फिर से उन्हें राजनीतिक रूप से अछूत बना देगी। क्योंकि विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान भले ही मजबूरी में कई राज्यों में आप के साथ गठबंधन किया था लेकिन सच्चाई तो यही है कि सोनिया गांधी इस देश की राजनीति में नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल पर कतई भरोसा नहीं करती है।

इस बार के दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और गांधी परिवार की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। वर्ष 2020 में, दिल्ली में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को सिर्फ 4.26 प्रतिशत मत मिला था और वह एक भी सीट नहीं जीत पाई थी लेकिन इस बार कांग्रेस ने पूरी ताकत के साथ दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया है। कांग्रेस आलाकमान ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतार कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं।

कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में मजबूत हुई है और अब

अगर कांग्रेस अपने उस छीने हुए वोट बैंक के छोटे से हिस्से को भी वापस लेने में कामयाब हो जाती है तो फिर केजरीवाल सहित आप के सभी उम्मीदवारों के लिए दिक्कतें खड़ी हो जाएगी।

वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 53.57 प्रतिशत मत के साथ आप को 62 सीटें मिली थी जबकि 38.51 प्रतिशत मत पाने के बाद भी भाजपा के खाते में सिर्फ 8 सीटें ही आ पाई थी। आप और भाजपा के बीच 15.06 प्रतिशत का अंतर था। अगर कांग्रेस इस बार के विधानसभा चुनाव में अपने मत प्रतिशत में 8-10 प्रतिशत का भी इजाफा कर पाती है तो फिर दिल्ली में त्रिशंकु विधानसभा बन सकती है यानी आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर होना पड़ सकता है। दिल्ली के चुनावी समीकरण से यह बिल्कुल साफ होता नजर आ रहा है कि आप और भाजपा के मुकाबले में सबसे कमजोर नजर आ रही कांग्रेस के आलाकमान यानी गांधी परिवार ने अगर पूरी ताकत के साथ दिल्ली में विधानसभा का चुनाव लड़ा तो फिर राहुल गांधी ही यह तय करेंगे कि दिल्ली में अगली सरकार किसकी बनेगी ? वास्तव में दिल्ली का यह चुनाव राहुल गांधी के लिए फैसला करने वाला चुनाव होगा कि वह वाकई अपनी पार्टी कांग्रेस को मजबूत करना चाहते हैं या फिर दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एकता के नाम पर अपनी पार्टी को कुर्बान कर देते हैं।

-संतोष पाठक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे-जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है।

पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज़्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया।

इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी? बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद ज़रूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा-चौकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इन अपराधों से निपटने में विफल साबित हो रही हैं। आज के डिजिटल युग में, माता-पिता के पालन-पोषण का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और डिजिटल उपकरणों के व्यापक उपयोग के साथ, डिजिटल युग में बच्चों के पालन-पोषण में और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार के कारण जीवन में आ रहे बदलाव ने कई ज्वलंत एवं चुनौतीपूर्ण मुद्दों को सामने ला दिया है, जिनसे माता-पिता को जूझना पड़ता है, जिससे पालन-पोषण का कार्य और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऑनलाइन सुरक्षा से लेकर स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और लगातार विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य का हिस्सा बनने तक, माता-पिता के लिए खुद ही यह काफी नया सा है। खुद को जानकारी से लैस करके और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर, हम अपने बच्चों को जिम्मेदारी से डिजिटल दुनिया में सावधानीपूर्वक हिस्सा बनने के लिए सशक्त बनाते हुए उनके लिए एक स्वस्थ और संतुलित डिजिटल वातावरण बना सकते हैं। अपने बच्चों को तकनीक का उपयोग ऐसे तरीकों से करने में मदद करें जो रचनात्मकता और सीखने को बढ़ावा दें। उन्हें शैक्षिक ऐप तलाशने, डिजिटल कला बनाने या कोडिंग जैसे नए कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें तकनीक को सिर्फ़ मनोरंजन के बजाय विकास एवं ज्ञान अर्जन के साधन के रूप में देखने में मदद मिल सकती है। तकनीक के अच्छे और बुरे दोनों पक्षों को जानकर और स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करके, हम बच्चों को उनके स्क्रीन समय के साथ एक स्वस्थ संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। इस तरह, वे बचपन की खुशियों का अनुभव करते हुए तकनीक के लाभों का आनंद ले सकते हैं, जिसमें बाहर खेलना, दोस्तों के साथ समय बिताना और अपने आस-पास की दुनिया की खोज करना शामिल है। मोबाइल एवं डिजिटल साइट पर कुल निर्भरता बढ़ गई है। लोग अपने फोन एवं इन्टरनेट का इस्तेमाल खाना खाते समय, लिविंग रूम में और यहां तक कि परिवार के साथ बैठकर उपयोग करते हैं। कम से कम अस्सी प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अपने फोन पर तब भी होते हैं, जब वे अपने बच्चों के साथ समय बिता रहे होते हैं और वे अपने बच्चों, परिवेश पर ध्यान नहीं देते हैं और जब उनके बच्चे उनसे कुछ पूछते हैं तो वे चिढ़ जाते हैं।

दरअसल, भारत सरकार के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को अधिक प्रभावी एवं कारगर बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन गैमस् की आदत भी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, इसके घातक परिणाम भी सामने आ रहे हैं और लोगों के बीच इसे लेकर चिंता बढ़ रही हैं। इसलिये दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह बच्चों को ऑनलाइन गेम की लत से बचाने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने पर गंभीरता से विचार करें। आज इंटरनेट का दायरा इतना असीमित है कि अगर उसमें सारी सकारात्मक उपयोग की सामग्री उपलब्ध हैं तो बेहद नुकसानदेह, आपराधिक और सोचने-समझने की प्रक्रिया को बाधित करने वाली गतिविधियां भी बहुतायत में मौजूद हैं। आवश्यक सलाह या निर्देश के अभाव में बच्चे ऑनलाइन गेम या दूसरी इंटरनेट गतिविधियों के तिलिस्मी दुनिया में एक बार जब उलझ जाते हैं तो उससे निकला मुश्किल हो जाता है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। एक और रणनीति यह है कि बच्चों को तकनीक का संयम से इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करें और इसे पढ़ने, बाहर खेलने और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने जैसी अन्य गतिविधियों के साथ संतुलित करें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती का गंभीरता के साथ सामना करने की जरूरत है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष दशमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
अकारण मन चिंतित रहेगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम है। व्यापार आपका अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय में सुधार होगा। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार सबकुछ बहुत अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापार में सुधार। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अभी भी मध्यम बना हुआ है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम चल रहा है। व्यापार आपका अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
वाहन धीरे चलाएं। बहुत सावधानी बरतें। कोई रिस्क न लें। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं का शमन होगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। भावुकता को नियंत्रण करके कोई निर्णय लें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का भी योग बनेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। भाग्यवश काम बनेंगे। प्रेम व संतान बहुत अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धनार्जन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। प्रेम व संतान अच्छा रहेगा। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

अवैध निर्माण पर चला प्राधिकरण का पीला पंजा

2.5 करोड़ की 600 वर्गमीटर है जमीन, अवैध रूप से बना रहे थे शो रूम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण का अवैध निर्माण हटाने का अभियान जारी है। बुधवार को नोएडा के बरौला में सलारपुर हनुमंदिर के पास करीब 2.5 करोड़ रुपए की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। ये जमीन प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। इस जमीन पर भूमाफियाओं के जरिए अवैध निर्माण कर यहां शो रुम बनाने का प्रयास किया जा रहा था। बेसमेंट बनाने का काम शुरू किया गया था। इसके लिए यहां पिलर और अन्य कार्य शुरू कर दिया गया था।

प्राधिकरण के अफसरों ने बताया कि बरौला के सलारपुर हनुमान मंदिर के पास खसरा नंबर 603 प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। ये जमीन करीब 600 वर्गमीटर है। जिसकी बाजार में दर 2.5 करोड़ के आसपास है। इस जमीन पर अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा था। जानकारी मिलने पर प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण का नोटिस चस्पा किया। साथ बताया कि इसे खुद से ध्वस्त कर ले अन्यथा प्राधिकरण की ओर से कार्यवाही की जाएगी।

अवैध निर्माण नहीं हटाने और निरंतर कार्य किए जाने के चलते प्राधिकरण का एक दस्ता भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया का विरोध किया। जिनको पुलिस ने समझा दिया। इसके बाद अवैध निर्माण को ध्वस्त करते हुए जमीन को कब्जे में लिया गया।

रूके हुए विकास कार्य शुरू करे प्राधिकरण : फोनरवा

नोएडा (चेतना मंच)। फोनरवा के प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. लोकेश एम से मुलाकात की।

बैठक के दौरान अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा एवं महासचिव के के जैन नोएडा के सेक्टर के विकास के कार्य जल्दी-जल्दी करने का अनुरोध किया। सीईओ लोकेश एम ने बताया ग्रेप तथा एनजीटी के आदेशों के कारण नोएडा के सेक्टरों के विकाश के कार्य नहीं हो सके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि रुके हुए सभी कार्य अब जल्दी से जल्दी खत्म किए जाएंगे। इसके साथ साथ वरिष्ठ अधिकारियों कि नोएडा के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ जल्दी ही बैठक शुरू की जाएगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी, देवेंद्र सिंह चौहान, सुशील यादव, राजेश सिंह जितेंद्र यादव आदि उपस्थित थे।

उप्र राज्य महिला आयोग सदस्य ने सुनीं जनसमस्याएं

डॉ. हिमानी अग्रवाल ने मिशन शक्ति अभियान प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

नोएडा (चेतना मंच)। महिलाओं की सुरक्षा एवं महिलाओं के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र महिलाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की सदस्य डॉक्टर हिमानी अग्रवाल ने मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर से महिलाओं के हितार्थ संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में मिशन शक्ति 5.0 कार्यक्रम पर आधारित आकाश लेखन बैलून का भी शुभारंभ किया गया।

प्रचार वाहन रवाना करने के उपरांत उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य हिमानी अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में अपर पुलिस आयुक्त महिला, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण कल्याण अधिकारी आशीष कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने जनसुनवाई में आई पीड़ित महिलाओं की समस्या को बहुत ही सहजता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में जो भी महिला उत्पीड़न के प्रकरण लंबित चल रहे हैं, उनका निस्तारण पुलिस एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करें एवं उसकी रिपोर्ट आयोग को भी प्रेषित करें।

महिला कैदियों के अधिकारों पर एमिटी में चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय में एमिटी लॉ स्कूल के सहयोग से राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा कारागार में बंद महिलाओं से संबंधित कानून पर क्षेत्रीय कानून समीक्षा परामर्श (उत्तरी क्षेत्र) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंर्तगत कारागार में बंद महिलाओं से संबंधित कानून में संशोधन, अनुपालन पर विभिन्न क्षेत्र जैसे विधिक, समाजिक, एनजीओं, अकादमिक, पुलिस आदि क्षेत्रों में कार्य कर रहे विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई।

राष्ट्रीय महिला आयोग के विधि अधिकारी मनमोहन वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग, महिलाओं के अधिकारों का प्रतिनिधित्व करता है उनसे जड़े मुद्दों पर कार्य करता है। सरकार कानूनों को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए उनमें संशोधन करती है जिसके लिए, हितधारकों के विचारों को जानने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है। जेल में बंद महिलाओं के अधिकारों के लिए आयोजित इस क्षेत्रीय कानून समीक्षा परामर्श (उत्तरी क्षेत्र) कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जायेगी और इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन कुल 7 क्षेत्रों में किया जायेगा।

एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंद्योपाध्याय ने कहा कि एमिटी में हम इस प्रकार के कार्यक्रमें द्वारा छात्रों को विधिक क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों, विशेषज्ञों की राय को जानने और कानून सशोधनों की प्रक्रियाओं को समझने का अवसर प्रदान करते है। एमिटी छात्रों को कक्षा के अलावा प्रयोगिक ज्ञान प्रदान करने में विश्वास रखती है जिससे आज के कानून के छात्र जो कल विभिन्न पदों पर आसीन होकर कार्य करेगे वे देश के हर वर्ग के लिए कानून व अधिकारो के पालन में सकरात्मक भूमिका निभाये।

एमिटी लॉ स्कूल नोएडा की निदेशक डा शेफाली रायजादा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एमिटी लॉ स्कूल सदैव छात्रों को समाज में परिवर्तन लाने और सभी के लिए बेहतर स्थान बनाने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम का संचालन एमिटी लॉ स्कूल के डा एकता गुप्ता और डा प्रणव तिवारी द्वारा किया गया।

11 को पंजाबी एकता समिति नाल, लोहड़ी दा धमाल!

नोएडा (चेतना मंच)। पंजाबी एकता समिति द्वारा इस बार लोहड़ी पर्व को एक विशाल कार्यक्रम के रूप में आयोजित करने जा रहा है।

संस्था के संरक्षक संजय बाली तथा अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम एक विशाल लोहड़ी का कार्यक्रम सेक्टर-51 स्थित सेवरोन बैंक्वेट में 11 जनवरी को बहुत ही धूमधाम से मनाया जायेगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गौतम बुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा उपस्थित रहेंगे। महासचिव नरेंद्र चोपड़ा ने बताया कि हर माह संस्था कम से कम दो कार्यक्रम करेगी।

प्रेसवार्ता में नोएडा पंजाबी एकता समिति के संरक्षक सरदार जसविंदर खोकर, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता, कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, उपाध्यक्ष नवीन सोनी, सुनील मेहता, अतुल मल्होत्रा, अतुल सहगल, सुभाष मेहता, सुभाष जैन, सुमित मनचंदा, बी. के. मेहता, पुनीत कपूर, श्रीमती सुनेना अरोड़ा, एवं मातृ शक्ति उपस्थित रहे।

दो पीढ़ियों से भाजपा में समर्पित धर्मेन्द्र गुप्ता भी अध्यक्ष पद के दावेदार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में भारतीय जनता पार्टी में महानगर अध्यक्ष के लिए दावेदारों की फेहरिस्त बढ़ती जा रही है। नामांकन की आखिरी तिथि 10 जनवरी है। दावेदारों के क्रम में अब पिछले दशकों से सक्रिय परिवार के सदस्य तथा भाजपा के सक्रिय नेता धर्मेन्द्र गुप्ता का नाम भी सामने आया है।

बता दें कि धर्मेन्द्र गुप्ता पिछले दो दशक से भी अधिक समय से भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय हैं। वे वर्तमान भाजपा के उपाध्यक्ष हैं तथा समय-समय पर कई महत्वपूर्ण पदों की भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।उनके पिताजी व अन्य परिवारी सदस्य भाजपा के प्रबल कार्यकर्ता रहे हैं।,

वैश्य समाज से ताल्लुक रखने के अलावा उनकी हर समाज व वर्ग में गहरी पैठ है। अधिकांश कार्यकर्ताओं का कहना है कि धर्मेन्द्र गुप्ता की प्रबल दावेदारी बनती है। हाईकमान को उनके नाम पर विचार करना चाहिए। वैश्य समाज के अलावा अन्य वर्ग के भाजपा कार्यकर्ताओं ने धर्मेन्द्र गुप्ता से आवेदन करने का आग्रह किया है।

प्रशासन ने कराया 17 जोड़ों का विवाह

नोएडा (चेतना मंच)। विकासखण्ड-बिसरख परिसर जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत कुल 17 जोड़ों का धार्मिक विधि-विधान से सामूहिक विवाह/निकाह सम्पन्न कराया गया, जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के 11, अन्य पिछड़ा वर्ग के 03, सामान्य वर्ग के 02 व अल्पसंख्यक वर्ग के 01 जोड़े ने प्रतिभाग किया। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि सभी जोड़े विकासखण्ड-बिसरख, जेवर, दादरी, दनकौर व नगरपालिका परिषद-दादरी के निवासी थे, जिनका विधि-विधान से सामूहिक विवाह व निकाह सम्पन्न कराया गया।

शहाबुद्दीन की माताजी की पुण्यतिथि पर

पूर्व मंत्री जोगेन्द्र अवाना समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-8, 9, 10 चौराहे पर स्थित बांस बल्ली मार्केट में महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन की माता जी की चौथी पुण्यतिथि पर एक सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों लोगों को भोजन कराया गया और 200 कंबल वितरित किए गए।

राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और पूर्व विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने गरीबों को कंबल बांटे। उनके साथ अंतर्राष्ट्रीय शूटर व किसान नेता पूनम पंडित, राहुल अवाना, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश अवाना, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता फिरे सिंह नागर, पवन शर्मा, ललित अवाना, सतेंद्र शर्मा और यतेन्द्र शर्मा शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, अब्बासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी शमशेर अब्बासी, पूर्व जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अल्पसंख्यक दानिश सैफी, पूर्व एआईसीसी सदस्य राजकुमार भारती, सचिव सैयद मजहर हुसैन, अहमद खान, रामकुमार शर्मा, आर.के. प्रथम, जिला उपाध्यक्ष रिजवान चौधरी, प्रेम शाह, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष जावेद खान, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजकुमार मोनू, सोशल आउटरीच युवा जिलाध्यक्ष मोहम्मद चांद, सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, भरत डेंजर, विक्रम चौधरी, ज्योति पाल, महक अल्वी, विकास मिश्रा, दयाशंकर पांडे, इंद्रजीत तिवारी, डॉ. सीमा और कंचन तिवारी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश सदस्य तस्लीम सैफी, मो. तनवीर, भाजपा नेता चौधरी अख्तर, कोमल प्रसाद, रणवीर भाटी, नवल सिंह चौहान, गौरव आधाना, सन्नी, सलमान, ज़मीर, जियाहक, सद्दाम, रहमान, एनके ठाकुर समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

अधिवक्ताओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कल जेवर तहसील सभागार में आयोजित बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, जिस भावना के साथ पीड़ित व्यक्ति अधिवक्ताओं के पास आता है, उसी भावना को अधिवक्ताओं को जीवित रखना चाहिए, ताकि वह व्यक्ति यह विश्वास लेकर जाए कि उसे न्याय अवश्य मिलेगा।

विधायक ने कहा कि जेवर क्षेत्र आज उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। सभी अधिवक्ताओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कानूनी जानकारियों का उपयोग करके न्याय व्यवस्था को सुगम और सुलभ बनाना चाहिए।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और एडीजे प्रतिक्षा नागर ने भी उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों और न्याय व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया।

पिता-पुत्री ने साहित्यिक सम्मान प्राप्त कर मिर्ज़ापुर का नाम रोशन किया

मिर्ज़ापुर (चेतना मंच)। विश्वविख्यात साहित्यिक संस्था साहित्य मंडल, नाथद्वारा, राजस्थान द्वारा आयोजित भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह में मिर्ज़ापुर की युवा कवयित्री सृष्टि राज और उनके पिता आनंद अमित को सम्मानित किया गया।

सृष्टि राज को उनकी पुस्तक 'दर्पण में बचपन' के लिए गीता देवी काबरा स्मृति बाल श्री सम्मान प्रदान किया गया। वहीं, आनंद अमित को उनके साहित्यिक योगदान के लिए साहित्य सुधाकर की मानद उपाधि और डॉ. आर.के. रामन स्मृति सम्मान से नवाजा गया। साहित्य मंडल के प्रधानमंत्री श्याम देवपुरा ने इसे दुर्लभ अवसर बताते हुए कहा कि पिता-पुत्री का एक साथ सम्मानित होना मिर्ज़ापुर के लिए गर्व की बात है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने पुलिस कमिश्नर और डीएम को लिखा पत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा जनपद गौतमबुद्ध नगर के 18 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इनमें से एक केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में था, जहां बेसिक शिक्षा परिषद के विभिन्न अध्यापकों की ड्यूटी 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त 2024 को दोनों शिफ्टों में लगाई गई थी। सभी अध्यापकों ने अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया।

इस विषय पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा और जिलामंत्री गजन भाटी ने पुलिस कमिश्नर और जिला अधिकारी को पत्र लिखकर शिक्षकों का मानदेय शीघ्र दिलवाने की मांग की।

इस अवसर पर मंडल मंत्री मेघराज भाटी, संरक्षक अशोक शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलेराम नागर, जिला मीडिया प्रभारी अरविंद शर्मा, संयुक्त मंत्री हेमंत खोदना, दनकौर ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पहलवान, मंत्री रामकुमार शर्मा, संगठन मंत्री राजन मलिक, बिशरख ब्लॉक अध्यक्षा स्मिता सिंह, मंत्री मीना यादव, दादरी ब्लॉक अध्यक्ष रवि भाटी, मंत्री वेदप्रकाश गौतम, जेवर ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज शर्मा, मंत्री रैदास और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा के जिला कार्यालय तिलपता में कल जिलाध्यक्ष पद के लिए नामाकंन करते पार्टी के नेता सुनील खारी

नोएडा के नामी विवि और आईटी कंपनियों के पास पकड़ी गई सबसे ज्यादा ड्रग्स

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा शहर आज दुनिया में अपनी खास पहचान रखता है। लेकिन इसकी साख पर ड्रग्स का बढ़ता काला बाजार एक धब्बा लगा रहा है। खासकर नोएडा के नामी विश्वविद्यालयों और आईटी कंपनियों के आस-पास ड्रग्स की बिक्री ने नोएडा पुलिस कमिश्नरेट और जिला प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। एक आरटीआई में हुए खुलासे ने नोएडा के इस काले धब्बे को सामने लाकर रख दिया है।

शहर के किस कोने से या किस थाना क्षेत्र से ड्रग्स का कारोबार चलता है और कहाँ सबसे ज्यादा मात्रा में ड्रग्स बरामद होती है, कहाँ सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां होती हैं, इस बाबत जानकारी के लिए समाजसेवी डॉ. रंजन तोमर ने एक आरटीआई नोएडा पुलिस कमीश्नरी में दाखिल की थी जिसके जवाब में जन सूचना अधिकारी ने जवाब में सभी सहायक पुलिस आयुक्त क्षेत्रों से जानकारी मंगवाकर संकलित करके भेजी गई है। गौरतलब है की यह जानकारी 2022 से 2024 के बीच की थी।

शहर में सबसे ज्यादा ड्रग्स नोएडा पुलिस कमिश्नर के पुलिस आयुक्त प्रथम के अंडर आने वाले थाना 126 में पकडे गए हैं, यह जानकारी थाना प्रभारी निरीक्षक द्वारा दी गई है, जिसके अनुसार 2022 से 2024 के बीच 119 किलो ड्रग्स बरामद की गई और 45 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। यह सेक्टर नामी विश्वविद्यालयों समेत बहुत से आईटी कंपनियों का क्षेत्र है, इसके अलावा कुछ ग्रामीण क्षेत्रों से भी ड्रग्स बरामद हुए है। इसके आलावा एसीपी प्रथम के नीचे आने वाले अन्य थानों में यह संख्या शून्य बताई गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय के अंदर आने वाले थाने सेक्टर-49 में इस दौरान एमडीएम ड्रग्स 8.27 मिली ग्राम और डायजापाम 270 ग्राम जब्त हुए जबकि 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसके आलावा अन्य किसी थाना क्षेत्र में कोई ड्रग्स बरामद नहीं हुए। सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेंट्रल नॉएडा से मिली जानकारी के अनुसार एक भी थाना क्षेत्र में कोई भी ड्रग्स बरामद नहीं हुए। सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय सेंट्रल नॉएडा एवं सहायक पुलिस आयुक्त तृतीया में भी यह संख्या शून्य बताई गई है। यहाँ तक की सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ द्वारा अपने थाना क्षेत्रों से दी जानकारी में भी यह कहा है की उनके किसी भी थाना क्षेत्र में कोई भी ड्रग्स बरामद नहीं हुई है।

डॉ. रंजन तोमर ने बताया कि कमीश्नरी पुलिस द्वारा जनसूचना अधिकार के तहत जानकारी दी है लेकिन ग्रेटर नॉएडा जैसे यूनिवर्सिटी हब में शून्य ड्रग्स मिलना गले नहीं उतरता, क्यूंकि कुछ समय पहले पिछले वर्ष नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो ने तकरीबन 150 करोड़ के मेक्सिकन ड्रग गिरोह का पर्दाफाश ग्रेटर नॉएडा में ही किया था। इसके आलावा कई अफ्रीकी गिरोहों द्वारा भी ड्रग्स बेचने की खबर ग्रेटर नोएडा से आती रहती है।

समाजसेवी डॉ. रंजन तोमर का कहना है की नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो को एक स्थाई कार्यालय नॉएडा जैसे शहर में भी खोलना चाहिए जिससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और नए बस रहे जेवर पर विशेष नजर रखी जा सके।

ग़ज़ल

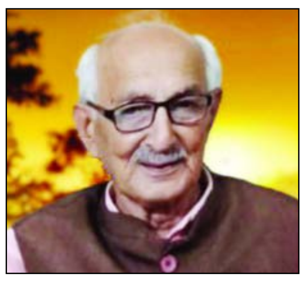

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

गूंगों की बस्ती में अंधों का राज,
चिड़िया दबोच रहीं पंजों में बाज।
पतवार खे रहे कमजोर हाथ,
लहरों पर डोल रहा अपना जहाज।
तूफानी हवाएं छाती को चीरतीं,
मौसम का लगता है बदला मिजाज।
बिजली आकाश में फिर कहीं चमक उठी,
लगता है गिर पड़ी फिर कहीं गाज।
गिद्धों की मची हुई चौतरफा चीत्कार,
तांडवी नर्तन में सिसक उठा साज।
लंगड़े-लूले भी ताल ठोंकने लगे,
सिद्धांतहीन अब चला रहे राज।

पृष्ठ एक के शेष....

'ऑपरेशन क्लीन' : 24 घंटे...

पुलिस टीम ने बिना नंबर की बाइक पर आ रहे दो युवकों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगे। इस दौरान पुलिस टीम ने बदमाशों की घेराबंदी कर दी। खुद को घिरा देखकर एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। इस दौरान उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान दीपांशु उर्फ दीपू निवासी जनपद कासगंज के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा कारतूस तथा चोरी की बाइक बरामद हुई। पुलिस ने कांबिंग के दौरान दीपांशु के फरार साथी चांद मोहम्मद पुत्र रफीक निवासी सलारपुर को भी दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि उन्होंने सेक्टर-83 रेड लाइट के पास स्थित कंपनी के बाहर से यह बाइक चोरी की थी।

थाना दनकौर पुलिस ने सलारपुर अंडरपास की तरफ जाने वाली सर्विस रोड पर चेकिंग के दौरान एक रेहड़ा पर आ रहे दो संदिग्ध लोगों को रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने घायल बदमाशों को दबोच लिया। इनके पास से दो तमंचे, कारतूस,रेहड़ा में लदी शटरिंग की 10 प्लेट बरामद हुई। पूछताछ में बदमाशों ने अपने नाम फिरोज और नासिर निवासी ग्राम अट्टा फतेहपुर बताया। दोनों बदमाशों ने बताया कि उन्होंने 3 जनवरी की रात्रि में एक पेटी ठेकेदार के यहां से शटरिंग की प्लेट चोरी की थी।

थाना बिसरख पुलिस ने मुठभेड़ के बाद मोबाइल फोन चोरी करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस टीम चार मूर्ति के पास बैरियर लगाकर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर आ रहे तीन युवक पुलिस को देखकर भाग निकले। पुलिस टीम ने बाइक सवारों को घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए जबकि एक फरार हो गया। पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम मेहमीदुल हक उर्फ भयंकर व मोदुल हुसैन निवासी पश्चिम बंगाल बताया। इनके पास से चोरी की बाइक, तमंचा, कारतूस,चोरी के 9 मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के फरार साथी अजीदुल उर्फ गुड्डू को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया मेहमीदुल हक पूर्व में थाना बिसरख से मोबाइल चोरी के आरोप में जेल जा चुका है।

बर्थडे में हुआ झगड़ा...

लोहे की रॉड ,सरिया व डंडा लेकर उसके घर आ धमके। तीनों ने घर में सो रहे उसके बेटे कुमार पर हमला बोलकर उसे घायल कर दिया। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

दबंगों ने जेसीबी...

उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो जितेंद्र भाटी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक जितेंद्र भाटी दबंग किस्म का व्यक्ति है और जबरन उसकी जमीन को कब्जाने की कोशिश कर रहा है।

रोड पर खड़ी गाड़ियों...

सेक्टर-12 से एक होंडा सिटी कार चोरी की थी। इस कार को उन्होंने परतापुर मेरठ में रघुवंश को 50 हजार रुपए में बेच दिया था। दोनों चोरों ने बताया कि वह रोड पर खड़ी हुई गाड़ियों की रेकी करते हैं और मौका देखते ही मास्टर की की मदद से ताला तोड़कर वाहन चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पकड़े गए चोरों ने वाहन चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

प्राधिकरण की भूमि...

अतिक्रमणकारियों द्वारा देर सबेर निर्माण कार्य किया जा रहा है। पुलिस ने लेखपाल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

नोएडा में दलितों से...

तथा दो बार लगातार मनोज गुप्ता अध्यक्ष बने। यानी पार्टी के गठन से लेकर अब अध्यक्ष की कमान गुर्जर, ठाकुर व वैश्य के हाथ रही। आज तक दलित बिरादरी के किसी कार्यकर्ता को न तो महानगर अध्यक्ष बनाया गया और न ही उन्हें प्रत्याशी बनाने लायक समझा गया।

ऐसा नहीं कि भाजपा में दलित कार्यकर्ता नहीं हैं। पिछले एक दशक से बसपा का जनाधार घटने के साथ दलितों का रूख भाजपा की ओर बढ़ा तथा वे आज चुनाव जिताने में निर्णायक भूमिका अदा कर रहा है। बता दें कि सांसद डा. महेश शर्मा तथा नोएडा के विधायक पंकज सिंह की ऐतिहासिक जीत में दलित वोट बैंक का भी काफी योगदान रहा है।

दलित समाज की मांग है कि हाईकमान इस बार नोएडा महानगर अध्यक्ष की कमान किसी दलित कार्यकर्ता को सौंपे। आज नोएडा में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन हो रहे हैं। लोगों को भरोसा है कि शायद इस बार भाजपा नोएडा की कमान किसी दलित कार्यकर्ता को सौंपे।

बच्चों को यूनिफार्म व स्वेटर बांटे

नोएडा (चेतना मंच)। नवरत्न फाउंडेशन द्वारा कड़ाके की ठंड में बच्चों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए पेट्रोनेट शीत कवच अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान के तहत होशियारपुर स्थित विद्याधारा स्कूल के आर्थिक रूप से कमजोर 120 छात्रों को यूनिफॉर्म व स्वेटर का वितरण किया गया।

नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सर्दियों में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को संस्था द्वारा गर्म यूनिफॉर्म व स्वेटर का वितरण किया जाता है। इसी कड़ी में संस्था द्वारा पेट्रोनेट शीत कवच अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान के तहत नवरात्र नवरत्न फाउंडेशन ने ग्राम होशियारपुर में नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन के विद्या धारा स्कूल के 120 बच्चों को यूनिफॉर्म व स्वेटर का वितरण किया। कड़ाके की ठंड में गरम स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

इस अवसर पर नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन की अध्यक्ष मीनाक्षी त्यागी, श्रीमती वनिता सोपोरी, नीरू, अजय मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जरूरतमंदों को गर्म कपड़े व कंबल बांटे

दादरी (चेतना मंच)। समाजसेवी राजीवभाई नवादा ने अपने मित्रों के सहयोग से आज दादरी के इस्लामाबाद कलदा की झुग्गी झोपड़ियों मे रहने वाले गरीब परिवारों को गर्म कपड़े तथा कबंल आदि बांटे। भयंकर ठंड में कपड़े व कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। वहीं कई स्कूली बच्चों को कॉपी-किताबें तथा पेंसिल आदि वितरित की गई। इस दौरान राजीव भाई नवादा व उनके मित्र करण खटाना, सतेन्द्र जानसिवाना, प्रमोद दुजान आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

बाइक को टक्कर मार दीवार से टकराई बस

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-16ए में तेज गति में आ रहे बस चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद चालक बस से नियंत्रण खो बैठा और बस बिजली के खंबे को तोड़ते हुए बिजली घर की दीवार से टकरा गई।

डेरी फार्म मदनपुर खादर सरिता विहार दिल्ली निवासी सुबोध कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई शंभू 7 जनवरी की शाम को सेक्टर 16 ए फिल्म सिटी से अपनी बाइक से घर की तरफ आ रहा था। इस दौरान पीछे से तेज गति में आ रहे एक बस के चालक ने उसके भाई की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शंभू घायल हो गया। बस चालक इस घटना के बाद बस से नियंत्रण खो बैठा और बस बिजली के खंबे को तोड़कर बिजली घर की दीवार से टकरा गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल शंभू को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थान से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा कारतूस व चाकू बरामद हुए हैं। थाना सूरजपुर पुलिस ने गश्त के दौरान खेड़ी कट के पास से संदिग्ध अवस्था में जा रहे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अनीश पुत्र फिरोज दादरी बताया। थाना बिसरख पुलिस ने अपेक्स फ्लोरल कट के सामने टी पॉइंट से मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से चाकू बरामद हुआ। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम शिवा सरकार पुत्र असीम सरकार निवासी पश्चिम बंगाल बताया। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने स्वीकार किया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से से घूम रहे थे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

पाक क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में धीमी गेंदबाजी के लिए पाकिस्तान टीम पर जुर्माना लगाया है। इस प्रकार मैच में हार के बाद अब पाक टीम को जुर्माने के रुप में दूसरा झटका लगा है। दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान सहित पाक के अन्य खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा टीम के पांच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक भी काटे गये हैं। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह जुर्माना इसलिए लगा क्योंकि पाकिस्तान की टीम निर्धारित समय में पांच ओवर कम फेंक पायी थी। आईसीसी की आचार संहिता के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में हर ओवर कम फेंकने के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है।

यशस्वी को डेब्यू का मिल सकता है अवसर

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अब एकदिवसीय मैचों में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। यशस्वी ने अब तक के प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने घरेलू धरती के अलावा विदेशी में भी जमकर रन बनाकर अपने को साबित किया है। यशस्वी ने जुलाई 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने अभी तक टेस्ट और टी20 में ही खेला है पर अब उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में एकदिवसीय खेलने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को इसी माह 22 जनवरी से घरेलू धरती पर इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। एकदिवसीय सीरीज 6 फरवरी से शुरू होगी, जो 12 फरवरी तक चलेगी। जिसमें यशस्वी को अवसर मिलने की पूरी संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार यशस्वी को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बैकअप ओपनर के रूप में शामिल किये की संभावना है।

विकेटकीपर के लिए ऋषभ पहली पसंद

मुम्बई । आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत का आगामी आगामी चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट लिए के विकेटकीपर के तौर पर भारतीय टीम में रहना तय है। वहीं उनके बैकअप के तौर पर किसका चयन होगा ये देखना होगा। माना जा रहा है कि टी20 में शानदार प्रदर्शन करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी विकल्प के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं दूसरे विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल को शामिल किया जाएगा। सैमसन ने पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पिछले साल अवसर मिलने पर काफी रन बनाये थे। इस स्टार खिलाड़ी ने टी20 में लगातार दो शतक जमाकर रिकॉर्ड बनाया और ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने पर चैम्पियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रारुप में खेला जाएगा। इससे उनकी दावेदारी कमजोर हुई है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार विकेटकीपर-बल्लेबाज के लिए सबसे पहला नाम तो ऋषभ का है। वहीं दूसरा नाम राहुल का आ रहा है।

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में बुमराह नंबर एक पर बरकरार

▸ स्कॉट बोलेंड ने लगाई 29 स्थान की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछला सप्ताह टेस्ट क्रिकेट से भरपूर रहा, जिसमें तीन श्रृंखलाएं संपन्न हुई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी, दक्षिण अफ्रीका की पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला और जिम्बाब्वे की अफगानिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला शामिल हैं। तीनों श्रृंखलाओं के आखिरी मैच में दमदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने 29 स्थान की लंबी छलांग लगाकर टॉप 10 में जगह बना ली है। बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 32 विकेट झटके थे। वे 908 रेटिंग अंक के साथ नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। बुमराह के अलावा अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा टॉप 10 में रहने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। जडेजा 745 रेटिंग अंक के साथ 9वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने भारत के खिलाफ सिडनी टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था। बोलैंड ने सिडनी टेस्ट में 86 रन देकर कुल 10 विकेट झटके थे। उनके प्रयासों ने ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को फिर से हासिल करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का एक दशक का लंबा इंतजार खत्म हुआ। यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम की। बोलैंड आखिरी मैच में मैन ऑफ द मैच रहे थे। अब बोलैंड ने आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 29 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए पहली बार आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाई है। वे 745 रेटिंग अंक के साथ जडेजा के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। इनके अलावा एक स्थान के फायदे के साथ दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। कमिंस के 841 रेटिंग अंक हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगीसो रबाडा भी एक स्थान का फायदा लेते हुए 837 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी टेस्ट में कुल 6 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को दो स्थान का नुकसान हुआ है वे 835 रेटिंग अंक के साथ चौथी रैंक पर आ गए हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को तीन स्थान का फायदा हुआ है। वह 739 रेटिंग अंक के साथ नौवें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सिडनी में आखिरी टेस्ट में दूसरी पारी में 33 गेंदों में 61 रनों की तूफानी पारी खेली थी। पाकिस्तान पर आखिरी मैच में 10 विकेट की जीत के बाद दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भी काफी प्रगति की है। रयान रिकेल्टन की मैच विजयी 259 रनों की पारी ने उन्हें 48 पायदान ऊपर चढ़ाकर 55वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा (तीन पायदान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर) और विकेटकीपर काइल वेरेर्ने (चार पायदान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) भी शतकों के बाद आगे बढ़े हैं। अफगानिस्तान के रहमद शाह (26 स्थान ऊपर 26वें) और जिम्बाब्वे के क्रेग एर्विन (10 स्थान ऊपर 37वें) बल्लेबाजी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले अन्य खिलाड़ियों में शामिल हैं।

विराट और रोहित पर है रणजी खेलने का दबाव

एजेंसी

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भी घरेलू क्रिकेट खेलने का दवाब है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की हार के बाद पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने तो यहां तक कहा था कि अगर जो खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं तो उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। गावस्कर ने यहां तक कहा कि उन्हें 23 जनवरी का इंतजार है। वे देखना चाहेंगे कि ये खिलाड़ी रणजी मैच खेलते हैं। ऐसे में अब विराट और रोहित को अपनी-अपनी घरेलू टीमों से खेलना ही होगा। भारतीय क्रिकेट टीम 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी पर विराट और रोहित दोनो ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया है। इसलिए इनके पास रणजी ट्रॉफी में खेलने का अवसर भी है। रणजी ट्रॉफी का इसका पहला हाफ अक्टूबर-नवंबर में खेला गया था। अब इसके बाकी बचे मैच इसी माह 23 जनवरी से शुरू हो रहे हैं. इसमें दिल्ली का मुकाबला सौराष्ट्र से जबकि मुंबई का मुकाबला जम्मू कश्मीर से होगा। ऐसे में अगर विराट घरेलू क्रिकेट में दिल्ली से खेलते हैं तो उनका सामना चेतेश्वर पुजारा से होगा। पुजारा सौराष्ट्र की ओर से खेलते हैं। विराट ने अंतिम बार रणजी मुकाबला साल 2012 में खेला था। वहीं पुजारा नियमित तौर पर रणजी मैच खेलते रहे हैं।

रबाडा को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत की उम्मीद

एजेंसी

केपटाउन। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में मिली 10 विकेट की जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को उम्मीद है कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा देगी। रबाना ने कहा कि हम जानते हैं कि लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया पर कैसे जीत हासिल की जा सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने केपटाउन में पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही 2-0 से सीरीज जीती है। मेजबान टीम ने इस सीरीज के पहले मैच में जीत के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भी प्रवेश हासिल कर लिया है। रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ छह विकेट लिए थे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अभी समय है पर इतने बड़े टूनार्मेंट के लिए हमेशा तैयार रहने की जरुरत होती है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया एक जैसा क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए अच्छी प्रतिद्वंद्विता भी रहती है। हम हमेशा कड़ी मेहनत से खेलते हैं और वह हमें कड़ी टक्कर देते हैं, यह हम जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम उन्हें हराना भी जानते हैं। टेस्ट क्रिकेट हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रारूप है, जो हम अभी खेल रहे हैं। जब आप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट और हमारे सभी दिग्गजों को देखते हैं तो वह सभी महान टेस्ट क्रिकेटर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेटर हैं जो पाक के खिलाफ सीरीज में दिखा है। पाकिस्तान को हराने के बाद दक्षिण अफ्रीका आईसीसी अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक रन लुटाने वाले गेंदबाज हैं मूसा

एजेंसी

हरारे । गाम्बिया के मूसा जोबारतेह के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे अघिक रन लुटाने का अनचाहा रिकार्ड दर्ज है। मूसा ने 4 ओवर में ही 93 रन लुटा दिये थे। गत वर्ष जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए इस मैच में मूसा के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे महंगी गेंदबाजी का यह एक ऐसा रिकार्ड बना है जो वह याद नहीं रखना चाहेंगे। ये रिकॉर्ड जिम्बाब्वे और गाम्बिया के बीच हुए आईसीसी टी20 विश्व कप सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर मुकाबले में बना था। इस मैच में जिम्बाब्वे ने 4 विकेट पर 344 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था।

जिम्बाब्वे की ओर से इस मैच में सबसे अधिक रन कप्तान सिकंदर रजा ने 43 गेंद में 133 रन बनाये थे। इस पारी में उन्होंने 33 गेंद में ही शतक पूरा कर लिया था। यह टी20 मैचों का दूसरा सबसे तेज शतक है। वहीं क्लाइव मंडाडे 17 गेंद में 53 और ब्रायन बेनेट ने 26 गेंद में 50 रन बनाए थे। जिम्बाब्वे के इन बल्लेबाजों ने सबसे अधिक पिटाई मूसा की की थी। इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 23.25 के इकोनोमी रेट से 93 रन लुटा दिये थे।

एडिडास ने मर्सिडीज के साथ मिलाया हाथ

बर्लिन। जर्मन स्पोर्ट्सवियर निर्माता एडिडास ने मंगलवार को मर्सिडीज-एएमजी पेट्रोनास फॉमूर्ला वन (एफ1) टीम के साथ बहु-वर्षीय साझेदारी की घोषणा की। इस सहयोग के तहत टीम 2025 एफआईए फॉमूर्ला वन विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेगी, जिसमें मार्च में होने वाली एफ1 चीनी ग्रैंड प्रिक्स भी शामिल है। मर्सिडीज-एएमजी पेट्रोनास एफ1 टीम के आधिकारिक टीम पार्टनर के रूप में, एडिडास ड्राइवरों, मैकेनिक्स और इंजीनियरों सहित पूरी टीम के लिए प्रदर्शन और शैली को मिलाकर एक पूरी श्रृंखला तैयार करेगा। एडिडास के सीईओ ब्योर्न गुल्डेन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हम मोटरस्पोर्ट की दुनिया में वापस आकर बहुत खुश हैं। हम दोनों ही गति, नवाचार और प्रदर्शन के लिए जुनून साझा करते हैं।

खो खो विश्व कप : पहले संस्करण की मेजबानी को भारत तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में होने जा रहे पहले खो-खो विश्व कप के लिए सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस बीच आज, मंगलवार को खो खो विश्वकप का कार्यक्रम भी घोषित किया गया। इस महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी तक होगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा समर्थित खो-खो प्रतियोगिता के पहले संस्करण में 20 पुरुष और 19 महिला टीमें शामिल होंगी। खास बात यह है कि इस प्रतियोगिता को देखने के लिए मुफ्त टिकट की व्यवस्था है, हालांकि टिकट ऑनलाइन बुक करना होगा। दिल्ली के आईटीओ स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस विश्वकप में छह महाद्वीपों के 24 देश शिरकत करेंगे। इसमें पुरुषों की 20 टीमें और महिलाओं की 19 टीमें प्रतिभाग करेंगी। एशिया की टीमों में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें प्रमुख रूप से शामिल हो रही हैं। 13 जनवरी से 16 जनवरी तक लीग मुकाबले खेले जाएंगे। जबकि क्वार्टरफाइनल मैच 17 जनवरी को, सेमीफाइनल मुकाबला 18 जनवरी को और 19 जनवरी को फाइनल मैच खेला जाएगा। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि खिलाड़ियों के ठहरने के लिए खेल गांव बसाने की भी योजना है, ताकि देश-विदेश में इस खेल की चर्चा हो सके। विश्व कप में दो शानदार ट्रॉफी होंगी। पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए चमकदार नीली ट्रॉफी तैयार की गई है और महिलाओं के लिए हरी ट्रॉफी, जो गतिशील भावना को दशार्ता है। नीली ट्रॉफी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफी विकास और जीवन शक्ति का प्रतीक है। सुधांशु मित्तल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वर्ल्ड कप भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस विश्व कप का आयोजन खो-खो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए किया जा रहा है, ताकि इस खेल को ओलंपिक्स में शामिल कराया जा सके। इस आयोजन से दुनिया भर के लोग खो-खो के कौशल, गति और टीम वर्क का प्रदर्शन देख सकेंगे। यह विविध देशों की संस्कृतियों को खेल के माध्यम से एकजुट करेगा। फेडरेशन के महासचिव एमएस त्यागी ने कहा कि विश्वकप में 24 देशों की भागीदारी खो-खो की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शा रही है।

एससीजी जैसी कठिन पिच पहले नहीं देखी : स्मिथ

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने सिडनी (एससीजी) की पिच पर बल्लेबाजी करने को सबसे मुश्किल बताया है। स्मिथ ने कहा कि ऐसी कठिन पिच पर उन्होंने पहले कभी नहीं खेला था। सिडनी केवल एक रन की कमी से अपने 10 हजार रन भी पूरे नहीं कर पाये। स्मिथ को इसके लिए सिडनी में 38 रन की जरूरत थी पर वह पहली पारी में 33 रन पर ही आउट हो गये थे। वहीं दूसरी पारी में वह चार रन बनाकर आउट हो गये थे। इस प्रकार वह एक रन की कमी से से टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे नहीं कर पाये।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मैं इस मैच में बेहद खतरनाक गेंद पर आउट हुआ, गेंद अचानक से उछल गयी थी। उन्होंने कहा कि 10 हजार टेस्ट रन तक नहीं पहुंचनने से वह निराश नहीं है क्योंकि टीम को मैच में जीत मिली। उन्होंने कहा कि यह एससीजी की सबसे कठिन पिच थी। गेंद को सीम से मदद मिल रही थी और यह काफी स्विंग हो रही थी। मैं पहले कभी एससीजी में इस तरह के विकेट पर नहीं खेला था। यहां बल्लेबाजी करना अविश्वसनीय रूप से कठिन था। इस सीरीज में स्मिथ ने दो शतक लगाये हैं। उनका कहना है कि ये सीरीज काफी अच्छी रही। साथ ही कहा कि भारत एक अविश्वसनीय रुप से कठिन टीम है। हमें इस सीरीज में जसप्रीत बुमराह की खतरनाक गेंदबाजी का सामना करना पड़ा हालांकि अंत में परिणाम हमारे पक्ष में रहा।

दोस्त की बर्थडे पार्टी पार्टी में पत्नी संग पहुंचे कैफ

एजेंसी

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करने के बाद से ही सोशल मीडिया में छाये हुए हैं। इस दौरान कैफ के साथ उनकी पत्नी भी थी जो बेहद ग्लैमरस नजर आ रहीं थीं। कैफ जहां ग्रे कलर की टी शर्ट और ब्लैक जींस में दिख रहे थे तो वहीं, उनकी पत्नी ने ब्राऊन कलर की ड्रैस ब्लैक हाई हील के साथ पहन रखी थी। इन तस्वीरों में श्रेयस अय्यर भी नजर आये। कैफ और श्रेयस अच्छे दोस्त है। कैफ आम तौर पर श्रेयस के टीम इंडिया में न होने को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। दोनों को कई पार्टीज में भी अक्सर साथ देखा गया है। श्रेयस फिलहाल विजय हजारे ट्रॉफी में खेल रहे हैं। कैफ की पत्नी पूजा यादव की जर्नलिस्ट रही हैं। दोनों 2007 में एक पार्टी में मिले थे। पूजा उस समय एक इवेंट मैनेजमेंट फर्म में काम करती थीं। दोनों ने पहली मुलाकात में आपसी जुड़ाव महसूस किया और इसलिए उन्होंने एक-दूसरे के संपर्क में रहने का फैसला किया। मोहम्मद कैफ और पूजा यादव ने चार साल तक एक-दूसरे को डेट किया. इसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते आगे बढ़ाने का फैसला किया. कैफ और पूजा ने 26 मार्च 2011 को शादी की, जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे।

दुनिया भर के खिलाड़ियों में ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग को लेकर उत्साह

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) पूरे विश्व में धूम मचा रही है और अपने प्लेयर ड्राफ्ट और सीजन की शुरूआत से पहले ही वैश्विक स्तर पर चर्चा में है। मिस्त्र, केन्या, अर्जेंटीना, ताइवान और पोलैंड जैसे देशों की भागीदारी के चलते जीआई-पीकेएल में खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों की होड़ सी लग गई है।

सॉविन नरवाल, संदीप कंडोला, अजय कुमार और कपिल नरवाल जैसे भारतीय खिलाड़ी पहले से ही लीग का हिस्सा हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता एम अनिता, इंद्रा रोहिणी, अरुल संथिया और सेल्वरेबिक्शा जैसे खिलाड़ियों के साथ ही सुनील नरवाल, शिव कुमार और विकास दहिया, आंध्र प्रदेश के रेडर वेंकटेश्वर गौड़ जैसे खिलाड़ी भी मैदान में शिरकत करते नजर आएंगे। भागीदारी को लेकर खिलाड़ियों के उत्साह पर बोलते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांथी डी. सुरेश ने कहा, 'जीआई-पीकेएल को लेकर उत्साह कबड्डी की लोकप्रियता और संस्कृतियों को एकजुट करने और बाधाओं को तोड़ने की शक्ति को उजागर करता है। वैश्विक और घरेलू खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया कबड्डी के लिए एक समावेशी और गतिशील मंच बनाने के हमारे दृष्टिकोण को रेखांकित करती है ।जीआई-पीकेएल उद्घाटन सत्र में 6 महिला और 6 पुरुष टीमें शामिल होंगी। प्रत्येक टीम भारत की संस्कृति और भाषाई समृद्धि का प्रतीक है। टीमों की क्षेत्रीय पहचान बनाए रखने के लिए उनको उसी हिसाब से नामित किया गया है।

तेलुगु और तमिल टीमों का स्वामित्व टॉलीवुड और क्रिकेट की हस्तियों के पास होने की संभावना है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास पुरुष और महिला दोनों टीमें होंगी, जो कि समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने वाली, कबड्डी में अपनी तरह की पहली व्यवस्था है।

दिसंबर 2024 में ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) और इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) का विलय हुआ था, जिससे जीआई-पीकेएल का निर्माण हुआ, जहां पुरुष और महिलाएं दोनों एक ही मैट आकार पर प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो कि कबड्डी इतिहास में पहली बार होने जा रहा है। जिसके बाद से ही कबड्डी जगत में इसका हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्सुकता देखी जा रही है। लगभग एक महीने तक चलने वाली इस लीग के पहले सीजन में कुल 66 मैच खेले जाएंगे।

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट खेलती हुई ग्यो जिनयू।

मकर संक्रांति के दिन कैसे करें पूजा?

इस साल मंगलवार को मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन स्नान-दान के कार्य शुभ माने जाते हैं। ज्योतिष गणनाओं के अनुसार, 14 जनवरी को सूर्यदेव दोहर 2 बजकर 58 मिनट पर मकर राशि में गोचर करेंगे। इसलिए इस साल 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाया जा रहा है। मंगलवार को सुबह 7 बजकर 02 मिनट के बाद पुण्य काल शुरु होगा। जो दिनभर रहेगा। इस दिन सुबह उठकर पवित्र नदी में स्नान करना बेहद शुभ माना जाता है। साथ ही मकर संक्रांति के दिन सूर्यदेव की पूजा-उपासना की जाती है। जब ग्रहों के राजा सूर्यदेव धनु राशि से निकलर मकर राशि में गोचर करते हैं। तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक के सभी कष्ट दूर होते हैं और घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है।

कब शुरू होंगे शुभ कार्य: खरमास समाप्त होने के तीन दिन बाद शुभ कार्य या मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। मुंडन, जनेऊ संस्कार और कान छेदन ये सभी कार्य एक माह (खरमास) के लिए बंद रहते हैं। मकर संक्रांति के बाद इसे पुन: प्रारंभ किया जाता है । इसी तरह गृह निर्माण कार्य की शुरूआत भी की जाती है। नए घर में गृह प्रवेश करते हैं।

मकर संक्रांति के दिन कैसे करें पूजा: आचार्यों के अनुसार, सबसे पहले सुबह-सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाएं। पानी में गंगाजल और मिलाकर स्नान करें। गणेश जी का ध्यान करें। तांबे के लोटे में जल, लाल पुष्प, लाल रोली, गुड़, अक्षत और काला तिल मिलकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दें। अर्घ्य देते समय सूर्य मंत्र और गायत्री मंत्र पढ़ें। अर्घ्य देते समय जल की धारा में देखकर सूर्य देव का दर्शन करना बेहद ही शुभ माना जाता है। इसके बाद सूर्य देव को धूपबत्ती या घी का दीपक दिखाएं और 3 बार परिक्रमा करें। अब भोग अर्पित करने के बाद क्षमा प्रार्थना करें।

घोड़े की मूर्ति का मुख घर में किस दिशा में रखें

घर की वास्तु का व्यक्ति के जीवन में विशेष महत्व होता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर घर का वास्तु सही हो, तो व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है और शुभ परिणाम भी मिलते हैं। इतना ही वहीं तरक्की से सभी रास्ते भी खुल जाते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं, अगर घर का वास्तु सही नहीं है, तो व्यक्ति को जीवन में हमेशा परेशानियां ही झेलनी पड़ती है। यहां तक की मेहनत करने के बाद जातक को सफलता नहीं मिलती है। अब ऐसे में अगर आप अपने घर का वास्तु सही रखना चाहते हैं, तो घोड़े की मूर्ति के सही दिशा में रखने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

उत्तर दिशा में घोडे की मूर्ति रखना शुभ

घर की उत्तर दिशा में घोड़े की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिशा में घोड़े की मूर्ति रखने से जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है और हंसी-खुशी का माहौल रहता है। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति के व्यापार में किसी तरह की कोई परेशानी आ रही है, तो दुकान या ऑफिस में उत्तर दिशा तरफ रखने से लाभ हो सकता है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा आप घर की दक्षिण दिशा में घोड़े की मूर्ति रख सकते हैं। इस दिशा में मूर्ति रखने से मान-सम्मान में वृद्धि होती है और जीवन में चल रही समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

घर में घोड़े की मूर्ति रखने का महत्व

घोड़े को गति, शक्ति और सफलता का प्रतीक माना जाता है। घर में घोड़े की मूर्ति रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। घोड़े की मूर्ति को धन और समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। इसे उत्तर दिशा में रखने से विशेष रूप से धन लाभ होने की संभावना बढ़ती है।

घोड़े की मूर्ति रखने से कैरियर में प्रगति होती है और सफलता मिलती है। आपको बता दें, घोड़े की मुद्रा खुश और दौड़ती हुई होनी चाहिए। घर में घोड़े की मूर्ति रखने से मानसिक शांति भी मिल सकती है।

हथेली की बनावट में भी छिपे हैं गहरे राज

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली पर मौजूद रेखाएं और चिन्ह भविष्य में होने वाले शुभ-अशुभ घटनाओं के बारे में संकेत देते हैं। हथेली पर कई ऐसी रेखाएं मौजूद होती हैं, जो व्यक्ति के सुख-सौभाग्य का संकेत देती हैं। वहीं, हथेली की कुछ रेखाएं भविष्य से जुड़ी अप्रिय घटनाओं का इशारा करती है। इसके अलावा हथेली की बनावट से भी व्यक्ति के जीवन के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताई जा सकती हैं। मान्यता है कि व्यक्ति कितना भाग्यशाली है। जीवन में कितना उन्नति करेगा। यह सभी महत्वपूर्ण बातें व्यक्ति के हथेली की बनावट और लंबाई-चौड़ाई देखकर अनुमान लगाया जा सकता है। आइए जानते हैं कि हथेली के बनावट से व्यक्ति के जीवन से जुड़ी दिलचस्प बातें...

कोमल हथेली
हस्तरेखा शास्त्र में कोमल हथेली बहुत शुभ मानी गई हैं। मान्यता है कि व्यक्ति की हथेली जितनी मुलायम और गुलाबी होती है। वह उतना ही भाग्यशाली होता है और सुख-सुविधाओं में जीवन व्यतीत करता है।

वर्गाकार हथेली
हथेली का आकार भी व्यक्ति के जीवन के बारे में कई बातें बताता है। मान्यता है कि जिन लोगों की हथेली वर्गाकार होती है। ऐसे लोग बुद्धिमान होते हैं। व्यावसायिक सफलता अर्जित करते हैं और इनका लक्ष्य धन और वैभव की प्राप्ति होता है।

छोटी हथेली : हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, छोटी हथेली वाले लोगों का जीवन सुखमय रहता है। यह काफी जिज्ञासु प्रवृत्ति के होते हैं। दिल के बहुत साफ होते हैं।

कठोर हथेली : मान्यताओं के अनुसार, जिन लोगों की हथेली कठोर होती है, उन्हें बड़ी मेहतन के बाद ही सुखों की प्राप्ति होती है। यह लोग बहुत ईमानदार होते हैं।

बड़ी हथेली : जिन लोगों की हथेली बड़ी होती है, वह बहुत समझदार और गंभीर स्वभाव के होते हैं। कड़ी मेहनत से बड़ी कामयाबी हासिल करते हैं और धार्मिक कार्यों में रुचि रखते हैं।

लंबी उंगलियां : हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, नरम हथेली, पतली, लंबी और नुकीली उंगली व्यक्तियों का सौंदर्य बोध विकसित करती है। स्वभाव में लापरवाही की वजह से यह व्यापार में ज्यादा सफल नहीं होते हैं, लेकिन कलात्मक कार्यों में सफलता मिलने की संभावना रहती है।

हथेली में गड्ढा : हथेलियों में गड्ढा होना एक शुभ प्रतीक नहीं माना गया है। मान्यता है कि ऐसे व्यक्तियों का जीवन समस्याओं से घिरा रहता है।

सर्दियों में चेहरे का रंग पड़ने लगा है काला तो अपनाएं ये 3 टिप्स

सर्दियों में अकसर लोगों की त्वचा का रंग काला पड़ना शुरू हो जाता है। जिसकी वजह से चेहरे की रंगत फीकी और डल लगने लगती है। ऐसा ज्यादातर स्किन की अच्छी देखभाल ना करने की वजह से होता है। सर्दी के मौसम में चलने वाली ठंड हवा या फिर ठंड से बचने के लिए घंटों धूप की तरफ मुंह करके बैठने की आदत, दोनों ही चीजें चेहरे की नमी छीनकर उसे बेजान बनाने लगती हैं। लोग त्वचा की नमी को बनाए रखने के लिए बाजार में मिलने वाली कई तरह की क्रीम और लोशन का यूज करते हैं लेकिन कुछ समय बाद ये लोशन स्किन को काला करना शुरू कर देते हैं। अगर आपकी त्वचा का भी हाल कुछ ऐसा ही है तो आइए जानते हैं ऐसे कुछ देसी उपाय, जो सर्दियों में खोई चेहरे की रंगत को वापस लौटाने में आपकी मदद कर सकते हैं। सर्दियों में डार्क स्किन की समस्या से राहत देंगे ये उपाय

आलू का रस

आलू का रस चेहरे पर लगाने से स्किन का कालापन दूर करने में मदद मिल सकती है। इस उपाय को करने के लिए सबसे पहले आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें। इसके बाद रूई की मदद से आलू का रस चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाकर रखे। इसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें।

टमाटर का रस

टमाटर का रस चेहरे की रंगत में सुधार करके ड्राई स्किन की समस्या को भी दूर करने में मदद करता हैं। टमाटर के रस का ये उपाय करने के लिए सबसे पहले टमाटर को कद्दूकस करके इसका रस निकाल लें। इसके बाद टमाटर के रस को उंगलियों की मदद से या रूई से चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाकर रखें। तय समय बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। टमाटर में मौजूद विटामिन सी रंगत को सुधारने में मदद करता है।

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक चेहरे पर लगाने से स्किन का कालापन साफ हो सकता है। मुल्तानी मिट्टी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-एजिंग गुण के साथ एंटीसेप्टिक गुण भी मौजूद होते हैं, जो त्वचा के कालेपन को साफ करने में मदद कर सकते हैं। मुल्तानी मिट्टी के इस उपाय को करने के लिए एक बाउल में 4 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 2 छोटे चम्मच नींबू का रस, 4 छोटे चम्मच दही और 1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन डालकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर आधा घंटा लगा रहे दें। इसके बाद चेहरे को गुलाब जल से साफ कर लें। पेस्ट साफ होने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से अच्छी तरह धो लें। इस उपाय को हफ्ते में 2 बार करें।

मां-बाप यूं बनाएं घर में पढ़ाई का माहौल...

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़-लिखकर ऐसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचे जहां उसका जीवन बहुत बेहतरीन हो। इसलिए वो बच्चे की पढ़ाई को शुरु से ही बहुत अहमियत देते हैं। बच्चा पढ़ाई में कोई प्रॉब्लम ना फेस करे इसके लिए ट्यूशन, इंटरनेट, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जैसे कई साधन बच्चों को उपलब्ध कराते हैं। हालांकि कई बार सब कुछ होने के बाद भी बच्चे ठीक से पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इसके पीछे की कई वजहों में से एक है घर में पढ़ाई का माहौल ना होना। कई बच्चे महज इसलिए पढ़ाई में कमजोर रह जाते हैं या उनका ध्यान ही पढ़ाई में नहीं लगता क्योंकि उनके घर पर पढ़ने का सही माहौल ही नहीं बन पाता है। मां बाप कई बार इस ओर ध्यान ही नहीं देते और बच्चा लगातार पढ़ाई में स्ट्रगल करता रहता है। तो चलिए आज जानते हैं कि एक परफेक्ट पढ़ाई का माहौल घर पर कैसे बनाया जाना चाहिए।

घर के सबसे शांत कमरे को बनाएं बच्चे का स्टडी रूम:

पढ़ाई करना, एक तरह से ध्यान करने जैसा है। एक अच्छी ध्यान-साधना के लिए जैसे एक शांत जगह की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह पढ़ाई के लिए भी शांत माहौल ही बेस्ट होता है। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि बच्चे की पढ़ाई अच्छे से हो और पढ़ने में उसका मन भी लगे, तो उसका स्टडी रूम या टेबल ऐसी जगह शिफ्ट करें जहां सबसे ज्यादा शांति हो। घर का सबसे कोने वाला शांत कमरा आपके बच्चे के लिए एक अच्छा स्टडी कॉर्नर साबित हो सकता है।

पॉजिटिव रखें घर का माहौल

घर का माहौल जितना पॉजिटिव और खुशनुमा होगा, बच्चे उतनी ही आसानी से पढ़ाई पर कॉन्संट्रेट कर पाएंगे। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा मन लगाकर पढ़ाई करें, तो इसके लिए घर के माहौल को खुशनुमा और सपोर्टिव बनाकर रखें। बच्चों में पढ़ाई को एक फन एक्टिविटी की तरह लेने की आदत डालें, एक बोझ की तरह नहीं। साथ ही बच्चे को उसके छोटे-छोटे एफर्ट्स के लिए शाबाशी दें और किसी तरह के कॉम्पिटिशन और नेगेटिव कंपैरिजन करने से बचें।

बच्चों में यूं डेवलप करें स्टडी हैबिट

बच्चा दिल लगाकर पढ़ाई करे, इसके लिए जरूरी है कि उसे पढ़ने की आदत डाली जाए। बच्चे में स्टडी हैबिट डेवलप हो, इसके लिए उसे नियमित तौर पर किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उसके साथ ही खुद भी किताबें पढ़ने बैठे। बच्चे के साथ लाइब्रेरी जाएं और वहां उसे उसकी मनपसंद किताब सेलेक्ट करने का मौका दें। इस तरह से आप बच्चे के मन में पढ़ाई के प्रति रूचि पैदा कर सकते हैं।

विंटर पार्टी में चाहिए स्टेटमेंट लुक तो कैरी करें ये एक्सेसरीज

ठंड के मौसम में जब भी कहीं बाहर जाने का मन होता है तो यह समझ नहीं आता कि क्या पहना जाए और क्या नहीं। यूं तो ठंड के मौसम में भी आपके पास स्टाइलिंग के ऑप्शन कम नहीं होते हैं। लेकिन यह बेहद जरूरी है कि आप अपने आउटफिट के साथ-साथ एक्सेसरीज पर भी उतना ही ध्यान दें। जब आप विंटर आउटफिट के साथ स्टेटमेंट एक्सेसरीज को स्टाइल करती हैं तो इससे आपका लुक एकदम पार्टी रेडी लगता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि विंटर में अक्सर महिलाएं अपने आउटफिट के साथ गलत एक्सेसरीज को कैरी करती हैं, जिससे उनका लुक गड़बडा जाता है। जबकि एक सही एक्सेसरीज आपके स्टाइल को कई गुना बेहतर बना सकती है। ऑप्शन की कोई कमी नहीं है।

पहनें चंकी नेकलेस

विंटर में अक्सर हम सिंपल आउटफिट पहनना पसंद करते हैं। ऐसे में अपने स्टाइल को एन्हॉन्स करने के लिए आप चंकी नेकलेस को पहनने पर विचार कर सकती हैं। खासतौर से, अगर आपके आउटफिट में सिंपल नेकलाइन है, तो चंकी नेकलेस यकीनन आपके लुक को बेहद खास बनाएगा। आप नेकलेस का स्टाइल आपके आउटफिट के लुक पर निर्भर करता है। मसलन, अगर आप टर्टलनेक या प्लेन स्वेटर ड्रेस पहनती हैं तो उसके साथ लेयर्ड चेन या बिब-स्टाइल नेकपीस को स्टाइल किया जा सकता है। जब आप चंकी नेकलेस पहन रही हैं तो बाकी एक्सेसरीज को लाइट ही रखें, जिससे आपका लुक एन्हॉन्स हो सके।

पहनें बोल्ड इयररिंग्स: विंटर आउटफिट में पार्टी लुक के लिए बोल्ड इयररिंग्स को स्टाइल करना भी अच्छा आइडिया हो सकता है। अगर आप बहुत हैवी एक्सेसरीज कैरी नहीं करना चाहती हैं, लेकिन साथ ही साथ स्टेटमेंट लुक भी क्रिएट करना चाहती हैं तो ऐसे में बोल्ड इयररिंग्स को स्टाइल करने का मन बनाएं। आप बिग साइज हूप्स से लेकर डैंगल्ड इयररिंग्स तक स्टाइल कर सकती हैं। आप उन्हें हाई-नेक स्वेटर से लेकर स्लीक ड्रेस तक के साथ पहन सकती हैं। चूंकि मौसम सर्दियों का है तो आप मेटैलिक या ज्वेल टोन इयररिंग्स को पहनने का मन बनाएं। इसमें आपका लुक और भी बेहद खास लगेगा।

बालों पर लगा ग्लू हटाने के हैक

दुल्हन के साथ दुल्हन की सहेलियां भी माथा पट्टी या शीशपट्टी लगाकर तैयार होती हैं,लेकिन पार्लर से अच्छी तरह से फिक्स करवाकर रेडी होने के बाद जब मेकअप रिमूव करने की बारी आती है। तो सबसे ज्यादा मुश्किल बालों पर लगे ग्लू को लेकर होती है। इस ग्लू को हटाते वक्त काफी सारे बाल टूटने लगते हैं। शादी के लिए रेडी होने वाली हैं तो इस तरह की परेशानी में ना फंसे इसलिए ये हैक हमेशा याद रखें।

माथा पट्टी या शीश फूल लगाने के लिए पार्लर में अक्सर ग्लू या डबल टेप का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन ये ग्लू आसानी से नही निकलता और काफी सारे बाल टूट जाते हैं। आपके कीमती बाल ना टूटे और दर्द भी ना हो इसके लिए ये हैक जरूर याद रखें।

लगाएं हेयर सीरम या तेल

जिन जगहों पर ग्लू या डबल टेप लगाकर मांगटीका, शीशपट्टी चिपकाई गई है। उन जगहों पर उंगली की मदद से बेबी ऑयल या कोकोनट ऑयल को लगाएं और हल्के हाथ से रब करें। फिर धीरे-धीरे छुड़ाएं। ऐसा करने से बड़े ही आसानी से सारा डबल टेप और ग्लू निकल जाएगा और बाल भी नहीं टूटेंगे।

साउथ इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं डायरेक्टर अनुराग कश्यप

डायरेक्टर और एक्टर अनुराग कश्यप ने हाल ही में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने मुंबई छोड़ने का फैसला कर लिया है। डायरेक्टर ने कहा कि उनके अंदर अब फिल्म बनाने की कोई एक्साइटमेंट नहीं बची है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में रिस्क फैक्टर कम होने और रीमेक बनने को लेकर भी बात की है।

फिल्म बनाने की एक्साइटमेंट खत्म हो गई अनुराग

अनुराग कश्यप ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें कुछ नया करने को नहीं मिल रहा है। जिसकी वजह से उनके अंदर फिल्म बनाने की एक्साइटमेंट खत्म हो गई है। उनको लगता है कि इसका कारण एक्टर्स की टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी हैं क्योंकि टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी ने एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया है, जिसमें एक्टर्स को एक्टिंग पर नहीं स्टार बनने पर ज्यादा ध्यान देना होता है।

अपनी फिल्मों में कोई एक्सपेरिमेंट नहीं कर सकता

अनुराग ने कहा कि आज के समय में मैं बाहर जाकर कोई नई अलग तरह की फिल्म नहीं बना सकता, मैं अपनी फिल्मों में कोई एक्सपेरिमेंट नहीं कर सकता। क्योंकि अब सब कुछ पैसे पर आ गया है। जिसमें प्रोड्यूसर्स सिर्फ प्रॉफिट और मार्जिन के बारे में सोचते हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही सब तय किया जाता है कि फिल्म को कैसे बेचेंगे और कितना प्रॉफिट होगा। तो फिल्म बनाने का मजा खत्म हो जाता है। डायरेक्टर ने आगे कहा- मैं अगले साल मुंबई छोड़कर साउथ में शिफ्ट हो जाउंगा। मैं वहां जाना चाहता हूं जहां काम करने के लिए सब एक्साइटेड रहें। वरना मैं एक बूढ़े आदमी की तरह जिंदगी बिता कर मर जाउंगा। मैं अपनी बॉलिवुड इंडस्ट्री से काफी परेशान और निराश हो गया हूं। मैं इंडस्ट्री के लोगों की सोच से भी काफी परेशान हूं।

बॉलीवुड में सिर्फ रीमेक बन रहा है- अनुराग

अनुराग ने इंडस्ट्री की सोच को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा- बॉलीवुड में सिर्फ रीमेक बन रहा है। फिल्म मेकर्स कुछ भी नया नहीं करना चाहते हैं। इसी मानसिकता से मैं काफी थक गया हूं। एजेंसियां एक्टर्स का माइंडवॉश कर रही हैं और उन्हें ग्लेमर का लालच देकर स्टार बना रही हैं और खुद पैसे कमा रही हैं। वे उन्हें वर्कशॉप के लिए भेजने की जगह जिम भेजना चाहते हैं।

दोस्तों ने छोड़ा साथ- अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने कहा कि वह इंडस्ट्री में जिन एक्टर्स को अपना दोस्त मानते थे, उन लोगों ने भी उन्हें अकेला छोड़ दिया है।

रश्मिका ने पांच महीने तक छावा के लिए भाषा सीखी

फिल्म छावा में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना छत्रपति संभाजी महाराज की पत्नी, महारानी येसूबाई भोसले का किरदार निभा रही हैं। एक मराठी महारानी का किरदार निभाना रश्मिका के लिए सिर्फ एक मौका नहीं, बल्कि एक सपना था। हाल ही में बातचीत के दौरान, रश्मिका ने बताया कि उनका सपना खुद को महारानी के रोल में देखना था, जो 'छावा' से पूरा हुआ। बता दें, इस किरदार के लिए रश्मिका ने पांच महीने तक रोजाना 3-4 घंटे भाषा सीखने में बिताए।

महारानी का किरदार निभाना सपना था

रश्मिका ने कहा, इस फिल्म के लिए मैंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। लेकिन यह वही है जो मैंने हमेशा चाहा था। जब मैंने एक्टर बनने का सपना देखा, तब से ऐसी ऐतिहासिक फिल्म में काम करने की इच्छा थी। हमारे इतिहास, परंपराओं और संस्कृति की भव्यता मुझे हमेशा आकर्षित करती है। 'छावा जैसी फिल्म में काम करना मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। मैं हमेशा से खुद को एक राजसी दुनिया में, किसी महारानी के रूप में, शाही महल, शानदार डांस और इतिहास के बीच देखने का सपना देखती थी। जब यह फिल्म मेरे पास आई तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह लक्ष्मण उतेकर सर की दूरदृष्टि थी जिसने इसे खास बनाया। उन्होंने मुझे पहली बार कहानी सुनाते समय कहा था कि वह मुझे एक महाराष्ट्रीयन क्वीन के रूप में देखना चाहते हैं। मेरी शक्ल-सूरत, मेरे चेहरे के फीचर्स - सब कुछ इस किरदार के लिए परफेक्ट थे। यह एक ऐसी फिल्म है जो आपको गर्व महसूस कराएगी। यह न केवल भव्य है बल्कि दिल को छूने वाली भी है।

पांच महीने तक सीखी भाषा

किरदार की तैयारी को लेकर एक्ट्रेस ने आगे कहा, सबसे बड़ी तैयारी लैंग्वेज को लेकर रही। हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है। यह भाषा मेरे लिए स्वाभाविक नहीं है लेकिन मेरी ऑडियंस के लिए इसे सीखना मेरा फर्ज था। फिर जब आपको एक क्वीन का किरदार निभाना हो, तो आपको हर चीज पर पकड़ बनानी होती है- चाल, बोलचाल, अंदाज- सबकुछ। डायलॉग के लिए मैंने हर दिन तीन से चार घंटे मेहनत की। यह सिलसिला पांच महीनों तक चला। हर शब्द, हर वाक्य को मैं इस तरह सीखती थी जैसे यह मेरी अपनी जुबान हो। मेरे लिए यह सिर्फ किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उस किरदार की आत्मा को जीने की कोशिश थी। इस दौरान मैंने यह भी सीखा कि भाषा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से भी बनती है। लक्ष्मण सर कहते थे, 'जब लोग तुम्हें सुनेंगे, तो वे भूल जाएंगे कि तुम दक्षिण से आई हो या उत्तर से। उन्हें केवल तुम्हारा किरदार दिखेगा। मैं खुश हूं कि हमने यह हासिल किया। 'छावा मेरी अब तक की सबसे मेहनती जर्नी रही है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है।

सलमान खान के साथ सेट पर हर दिन एक यादगार पल होता

बता दें, रश्मिका सलमान खान के साथ फिल्म 'सिकंदर में भी हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को लेकर उन्होंने कहा, सलमान खान के साथ काम करना... क्या कहूं। यह मेरे करियर का एक बेहद खास मौका है। सेट पर हर दिन एक यादगार पल होता है। सलमान सर सबसे स्वीट और विनम्र इंसान हैं। जब वो सेट पर होते हैं, तो माहौल अपने आप हल्का-फुल्का और मजेदार हो जाता है। सब हंसते हैं, मस्ती करते हैं लेकिन साथ ही काम को लेकर पूरा फोकस भी रखते हैं। उनके साथ काम करना न सिर्फ एक सम्मान है, बल्कि उनके साथ वक्त बिताना भी बहुत कुछ सीखा जाता है। जब मुझे पता चला कि मैं सलमान के साथ फिल्म कर रही हूं, तो यकीन मानिए, मैं बहुत नर्वस थी लेकिन सलमान सर का जादू ही ऐसा है कि वो सबको तुरंत कंफर्टेबल महसूस कराते हैं। उनका स्वभाव इतना आरामदायक है कि आपको लगता ही नहीं कि आप एक लिविंग लेजेंड के साथ काम कर रहे हैं। उनके साथ काम करना न सिर्फ एक अनुभव है, बल्कि यह उन यादों में शामिल है जो मैं जिंदगी भर सहेजकर रखूंगी।

ग्राउंड जीरो में पहली बार एक आर्मी अफसर के रोल में नजर आएंगे इमरान

इमरान हाशमी का एक अधूरा ख्वाब नए साल में पूरा होने जा रहा है। वह लंबे समय से आर्मी अफसर के रोल निभाने को बेताब थे। हालांकि उन्होंने टाइगर 3 में पाकिस्तानी आर्मी मैन का रोल किया था पर इंडियन आर्मी अफसर का रोल किया था। अपने ही प्रोडक्शन से उनकी कैप्टन नवाब में वह इंडियन आर्मी अफसर का किरदार निभाने बाले थे पर वह फिल्म आगे नहीं बढ़ पाई। अब आखिरकार फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के बैनर से ग्राउंड जीरो में वह पहली बार बल सेना अफसर के रोल में दिखेंगे। यह फिल्म पार्लियामेंट अटैक के बाद उसके मास्टर माइंड के शिकार की कहानी है। इमरान इसमें बीएसएफ सेकंड इन कमांड नरेंद्र नाथ धर दुबे से इंस्पायर्ड शख्स के रोल में होंगे। इसे तेजस प्रभास और विजय देउस्कर ने मिलकर डायरेक्ट किया है। तेजस ने इससे पहले रकुल प्रीत सिंह स्टारर छतरीवाली डायरेक्ट की थी। वह कॉमेडी फिल्म थी। यह विशुद्ध एक्शन फिल्म है।

फिल्म की स्क्रिप्ट बीएसएफ की असल मुहिम पर केंद्रित है...

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया, संचित गुप्ता और प्रियदर्शी श्रीवास्तव द्वारा लिखी गई इस फिल्म में पुनीत तिवारी, जोया हुसैन, साई ताम्हणकर, मुकेश तिवारी, रॉकी रैना, दीपक परमेश और ललित प्रभाकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। मुकेश हाल के बरसों में कॉमिडी रोल ज्यादा करते रहे हैं पर यहां वह भी इमरान के साथ संसद हमलों के साजिशकर्ताओं की खोज में नजर आएंगे। स्क्रिप्ट को बीएसएफ की असल मुहिम पर केंद्रित किया गया है। इस तरह यह नीरज पांडे की स्पेशल ऑप्स से अलग है। इसमें खुफिया विभाग का चैप्टर ही नहीं है। पूरी तरह आर्मी जवानों की बहादुरी को दिखाया गया है।

सूत्र कहते हैं. यहां ग्राउंड जीरो में हालांकि मेकर्स ने सीधे तौर पर अफजल गुरू और गाजी बाबा की दबिश और एक्शन पर फोकस किया गया है। अफजल गुरू की युवावस्था का रोल पुनीत तिवारी ने प्ले किया है। जोया हुसैन और मुकेश तिवारी बीए?सएफ जवान ग्रुप से हैं। फिल्म के ज्यादातर हिस्सों की शूटिंग कश्मीर और उसके आस-पास हुई है। सिर्फ कुछेक धमाकों और हमलों के लिए मुंबई के एक्सेल के स्टूडियोज में ही कश्मीर का सेट क्रिएट कर सीक्वेंस फिल्माया गया। वहां भी सीन प्रामाणिक लगे, उसकी खातिर 400 से ज्यादा कश्मीरी युवाओं को कश्मीर से मुंबई बुलाया गया। वह इसलिए कि काफी धमाके भरे सीन फिल्माने थे। उसकी परमिशन कश्मीर में नहीं मिली थी।

शूटिंग के दौरान इंडियन आर्मी से मेकर्स को काफी मदद मिली

सूत्र बताते हैं. सेट पर शूट के दौरान एक दिन पत्थरबाजी को घटना भी हुई। हालांकि उसे आधिकारिक नहीं किया गया। बाद में कहा गया कि ऐसा कुछ नहीं हुआ, जबकि वह घटना हुई थी। बहरहाल, बाकी के दिनों में शूटिंग में कोई दिक्कत नहीं आई। इमरान का हैवी एक्शन फिल्म में हैं। पहले फिल्म में परवेज शेख ने एक्शन की कोरियोग्राफी की थी मगर कुछ सीन फरहान को पसंद नहीं आए तो सुनील राड्रिम्स से एक्शन डिजाइन करवाया। पहलगाम के अलावा बीएसएफ के कैंप में अधिकारियों के ऑब्जर्वेशन में ही पूरी शूटिंग की गई। उनकी ओर से हथियार आदि मुहैया करवाए गए।

अक्षय ने की भूत बंगला की शूटिंग शुरू

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी कई आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों की रिलीज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जिसमें स्काई फोर्स, वेलकम टू द जंगल, जॉली एल एल बी 2 और भूत बंगला शामिल हैं। लेकिन इन सभी में से सबसे ज्यादा चर्चा हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। बॉलीवुड खिलाड़ी कुमार अक्षय अपनी आगामी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म के लिए सुपरस्टार प्रियदर्शन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों ने साथ में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, जिनमें हेरा फेरी, भूल भुलैया, गरम मसाला और बाकी कई बेहतरीन फिल्में शामिल हैं। पिछले महीने मुंबई में फिल्मांकन के बाद जयपुर में इस शेड्यूल की शूटिंग की जाएगी। अब टीम गुलाबी नगरी जयपुर के लिए रवाना हो चुकी है, जहां हॉरर-कॉमेडी का अगला शूट शुरू किया जा रहा है। प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला रोमांच और हंसी का एक बेहतरीन मिश्रण होने का वादा करता है, क्योंकि यह फिल्म एक कॉमेडी ट्विस्ट के साथ भूतहा घर की शैली को दर्शाती है।

आज की जेनरेशन में ठहराव नहीं, उनकी सोच इंस्टाग्राम रील की तरह छोटी

आजकल की पीढ़ी सोशल मीडिया और उसकी दुनिया में पूरी तरह घिरी हुई है। इन सबके बीच, एक्ट्रेस नेहा जोशी ने हाल ही में इंटरव्यू में इस पर अपने विचार व्यक्त किए। नेहा ने कहा, मुझे लगता है कि आज की पीढ़ी बहुत भाग रही है। उनका ध्यान भी रील की तरह बहुत छोटा हो गया है। आज की जेनरेशन में ठहराव नहीं है। उनके केवल चमक दिख रही है। असली मेहनत और लगन अब पीछे रह गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग कला के फील्ड में असली मेहनत करते हैं, वे एक अलग ही दुनिया में होते हैं। अगर आप कलाकार हैं, तो आपको अपनी कला का प्रदर्शन करना है। नेहा का मानना है कि आजकल की पीढ़ी भटक रही है, लेकिन आखरी में वे अपनी जड़ों तक लौट आएंगे। देखिए, मेरा मानना है कि हमें अपने जड़ों से जुड़ा रहना चाहिए। यही तो भारतीय होने का हमारा असली रूप है। तपस्या, रियाज और ठहराव, ये हमारे सबसे बड़े गुण हैं। हम भारतीय होने के नाते अपनी जड़ों और इतिहास से जुड़े रहकर ही आगे बढ़ सकते हैं। नेहा का मानना है कि अटल जैसे शोज और प्रोजेक्ट्स बहुत जरूरी हैं क्योंकि ये बच्चों और उनके माता-पिता को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़ते हैं। ऐसे प्रोजेक्ट्स बच्चों को यह सिखाते हैं कि उनका इतिहास और संस्कृति क्या है, जिससे उन्हें अपनी पहचान समझने में मदद मिलती है। बता दें, अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म दृश्यम 2 में पुलिस स्पाई ऑफिसर जेनी थॉमस का रोल कर चुकीं नेहा जोशी इन दिनों टीवी सीरियल अटल में नजर आ रही हैं।

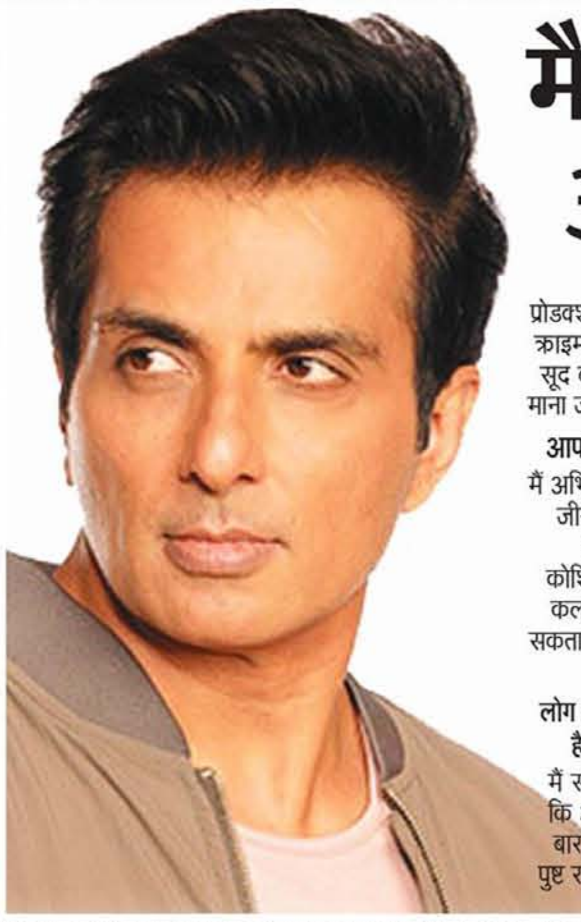

मैं कुछ और होने का अभिनय असल जिंदगी में नहीं करता

51 साल के हो चुके अभिनेता सोनू सूद अपनी होम प्रोडक्शन फिल्म 'फतेह' से निर्देशक भी बन गए हैं। साइबर क्राइम पर बनी ये फिल्म इसी हफ्ते रिलीज हो रही है। सोनू सूद को हिंदी सिनेमा के सबसे चुस्त तंदुरुस्त कलाकारों में माना जाता है, यहां वह बता रहे हैं अपनी खुशहाली के राज।

आप मुंबई की फिल्मी पार्टियों में क्यों नहीं दिखते हैं?

मैं अभिनेता हूं। मेरा काम है कैमरे के आगे एक किरदार को जीने की पूरी कोशिश करना। असल जिंदगी में मै जो हूं, वही रहता हूं। मैं कुछ और दिखने की दूसरों की तरह कोशिश नहीं करता। और, ऐसा करने से आज तक किसी कलाकार का करियर नहीं बना, ये मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं। न मैं दारू पीता हूं। न सिगरेट पीता हूं। तो मैं इन पार्टियों में खुद को बहुत तन्हा महसूस करता हूं।

लोग कहते हैं कि शरीर सौष्ठव के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है और इसके लिए ही लोग मांसाहार शुरू कर देते हैं?

मैं संपूर्ण शाकाहारी प्राणी हूं, अंडा छोड़कर। हां, ये सही है कि अगर आप पौष्टिक शाकाहारी भोजन करते हैं, वह कई बार बेस्वाद हो सकता है लेकिन भोजन हम शरीर को हृष्ट पुष्ट रखने के लिए खाते हैं, स्वाद लेने के लिए नहीं। मेरे तो घर पर आने वाले लोग कहते हैं कि सोनू, अस्पताल जैसा खाना खाता है। लेकिन, मेहमानों के लिए हमारे घर पर उनकी पसंद और स्वाद का खाना बनता है। हमारे खानसामा बेहतरीन भोजन बनाने में पारंगत हैं।

फिर तो आप शुरू से अच्छे बच्चे ही रहे होंगे, घर पर, स्कूल में कभी खाने को लेकर पंगा नहीं हुआ?

आप सुनकर चौंकेगे लेकिन मैंने आज तक किसी भी खाने को लेकर कोई परेशानी नहीं जताई। जो चीजें खाने के लिए प्रकृति ने बनाई हैं, उनमें दोष निकालने वाले हम कौन होते हैं? दोष निकालने वाले वैसे भी कुछ बना नहीं सकते। वे सब दोष इसलिए निकालते हैं क्योंकि इसी में उनको संतोष मिलता है। हां, खाने को लेकर मेरा एक अनुशासन है। मैं रोटी नहीं खाता हूं। चार साल हो गए मुझे गेहूं की रोटी खाए हुए।

कभी कोई नशे वगैरह की आदत भी नहीं रही?

नहीं, कभी नहीं। नशा जीवन तबाह कर सकता है। मैं शराब तो बिल्कुल भी नहीं पीता। तमाम सारे कलाकारों ने कोशिश की है, कि मैं किसी तरह दारू पीने लग जाऊं, लेकिन नहीं होता मुझसे। सलमान (खान) भाई को बड़ा शौक रहता था मुझे पिलाने का। लगे रहते कि कैसे भी मैं पी लूं। बोलते, कोल्ड ड्रिंक में डालकर ले आ, इसके लिए थोड़ी सी।

बैडएस रवि कुमार में खूंखार अंदाज में नजर आए हिमेश रेशमिया

हिमेश रेशमिया की नई फिल्म बैडएस रवि कुमार का ट्रेलर रविवार को रिलीज हो गया। म्यूजिक कंपोजर और सिंगर हिमेश एकदम खूंखार अवतार में हैं। वे कभी दुश्मनों को गाजर-मूली की तरह काट रहे हैं तो कभी बिल्डिंग पर दौड़ते नजर आ रहे हैं। हिमेश रेट्रो लुक में हैं। इस 3 मिनट 25 सैकंड लंबे ट्रेलर में हिमेश की एंट्री सिगरेट पीते हुए होती है। मुंह में सिगरेट लगाए और हाथ में इलेक्ट्रिक कटर लिए हिमेश तगड़े डायलॉग बोल रहे हैं। वे बोलते हैं, तेरे शरीर में इतना खून नहीं होगा, जितना मैं मूत देता हूं। तू बुरा है तो मैं बुरे लोगों का नवाब हूं। तू बड़ा होके बिगड़ा होगा और मैं बचपन से खराब हूं। हिमेश कभी कटर से तो कभी मशीनगन से दुश्मनों को भून रहे हैं। हिमेश पूर्व में भी कुछ फिल्मों में एक्टिंग कर चुके हैं। विलेन के रूप में साउथ इंडियन एक्टर व कोरियोग्राफर प्रभुदेवा भी चौंका रहे हैं। फिल्म में जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, एनिमल फेम सौरभ सचदेवा और गदर 2 फेम मनीष वाधवा, हिमेश की पत्नी सोनिया कपूर भी हैं। फैंस को यह ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। इसे जबरदस्त तरीके से सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। बता दें फिल्म 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सनातन गर्व
महाकुम्भ पर्व
॥सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः॥
महाकुम्भ प्रयागराज
2025
दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ
महाकुम्भ 2025 के लिए
प्रयागराज है तैयार
अलौकिक अनुभूति के लिए आएं महाकुम्भ नगर
• 4,000 हेक्टेयर में विस्तृत • 25 सेक्टर में सुव्यवस्थित • 1,850 हेक्टेयर में पार्किंग • 1,50,000 शौचालय • 1,60,000 सुसज्जित टेंट
• 67,000 एलईडी स्ट्रीट लाइट • 2 नए विद्युत सब स्टेशन • 66 नए विद्युत ट्रांसफॉर्मर • 2,000 सोलर हाइब्रिड स्ट्रीट लाइट
• 1,249 किमी पेयजल पाइपलाइन • 200 वाटर एटीएम • 85 नलकूपों की स्थापना • 7,000 बस का बेड़ा • 550 शटल बस का बेड़ा • 7 नए बस स्टॉप
• 30 पाण्टून ब्रिज (400 किमी में) • 9 पक्के घाटों की स्थापना • 7 रिवर फ्रंट रोड • 12 किमी में अस्थायी घाट • 14 नए फ्लाईओवर एवं अंडरपास
• 11 नए कॉरिडोर का विकास • 3,000 स्पेशल सहित 13,000 रेल गाड़ियां • प्रयागराज एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल
स्वस्थ महाकुम्भ
• सरकारी/प्राइवेट अस्पतालों में 6,000 बेड तैयार
• मेला क्षेत्र में 43 अस्पताल, 381 चिकित्सक तैनात
• 125 रोड, 7 रिवर एवं एक एयर एम्बुलेंस तैनात
• शहर के अस्पतालों में अतिरिक्त 6,000 बेड आरक्षित
स्वच्छ महाकुम्भ
• 850 समूहों में 10,200 स्वच्छताकर्मियों की तैनाती
• स्वच्छता निगरानी के लिए 1,800 गंगादूतों की तैनाती
• 25,000 लाइनर बैगयुक्त डस्टबिन, 300 सक्शन गाड़ियां
• जीपीएस से लैस 120 टिपर-हापर और 40 कॉम्पेक्टर ट्रक
सुरक्षित महाकुम्भ
• 37,000 पुलिसकर्मी एवं 14,000 होमगार्ड की तैनाती
• 2,750 एआई बेस्ड सीसीटीवी एवं 80 वीएमडी टीवी स्क्रीन
• 3 जल पुलिस स्टेशन, 18 जल पुलिस कंट्रोल रूम, 50 फायर स्टेशन
• 50 फायर स्टेशन, 20 फायर पोस्ट, 50 वॉच टावर, 4,300 फायर हाइड्रेंट
प्रमुख आकर्षण
• श्रद्धालुओं-पर्यटकों की मदद के लिए ट्रैवल गाइड • मार्गदर्शन के लिए कुम्भ सहायक AI चैटबॉट
• मानसिक शांति के लिए बर्ड साउंड थेरेपी • देशभर के हस्तशिल्पियों/कारीगरों का संगम
• संगम में श्रद्धालुओं को बोट राइड की सुविधा • वेदों-पुराणों की कथा का बखान करते चौराहे
• सांस्कृतिक मंचों पर गायन/वादन/नृत्य प्रस्तुतियां • प्रत्येक दिशा में वाहन पार्किंग की उत्तम व्यवस्था
• प्रत्येक पॉइंट पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती • हाईवे के थानों पर भी चिकित्सा सुविधा
आकस्मिक सेवाएं
आवास एवं आहार
मेला प्रशासन
यूपी की उपलब्धियां
कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें
कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial
CMOUttarpradesh
CMOfficeUP
mahakumbh_25/
upmahakumbh
MahaKumbh_2025
https://kumbh.gov.in/